RNI No. 62592/95
www.upobserver.in
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 34 सोमवार 24 से 30 नवंबर, 2025 पृष्ठः 08 मूल्य : ₹3/=

सनातन आधार और राष्ट्र के प्राण तत्व हैं श्रीरामः डा. कुमार विश्वास ...6

गीता जीवन का विज्ञान भी है और मृत्यु का भी समाधानः सरसंघचालक मोहन भागवत

लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने जनेश्वर मिश्र पार्क में रविवार को दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव को संबोधित किया। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस उत्सव में उनका स्वागत किया।

सरसंघचालक ने प्रखर शब्दों में कहा कि दुनिया आज जिस तरह से डगमगा रही है, जिस प्रकार मूल्य, नीति और मानवता लड़खड़ा रही है, वैसा ही दृश्य महाभारत के युद्धभूमि में अर्जुन के सामने था। अर्जुन भी भ्रम, शोक और मोह से विह्वल होकर युद्ध छोड़ने की स्थिति में पहुंच गया था, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण के गीताझ्ज्ञान ने अर्जुन के भीतर धर्म, साहस और कर्तव्य की प्रचंड ज्योति प्रज्वलित कर दी।

भागवत ने कहा कि जीवन के अत्यंत विपत्ति-क्षणों में भी गीता वह दिव्य शास्त्र है, जो मनुष्य को अंधकार से बाहर खींचकर दृढ़ता, समाधान और निर्भयता प्रदान करती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'गीता केवल पढ़ने की वस्तु नहीं, बल्कि जीने की प्रक्रिया है; जो गीता को अपनाएगा, वही संकट से उबरेगा।'

उन्होंने यह भी कहा कि आज जब पूरी दुनिया अव्यवस्था, संघर्ष और नैतिक भ्रम से गुजर रही है, ऐसे समय में गीता ही वह शाश्वत मार्गदर्शक है जो मानवता को संतुलन और धर्म के पथ पर पुनः स्थापित कर सकती है। भागवत ने अंत में कहा कि गीता जीवन का विज्ञान भी है और मृत्यु का भी समाधान, इसलिए मनुष्य चाहे जिए या मरे—गीता ही उसके अस्तित्व का आधार होनी चाहिए।

दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव का मकसद भगवद् गीता के यूनिवर्सल और जीवन को बेहतर बनाने वाले संदेशों को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालु, विद्वान और गणमान्य लोग शामिल हुए और इसका आयोजन 'श्रीकृष्ण कृपा जियो गीता परिवार, उत्तर प्रदेश' कर रहा है। प्रेरणा स्रोत पूज्य गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज हैं।

मोहन भागवत ने लखनऊ दौरे पर आध्यात्मिक और संगठनात्मक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और शाम को अयोध्या के लिए रवाना हो गए। 24 नवंबर को गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस के मौके पर गुरुद्वारा ब्रह्मकुंड में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मोहन भागवत अयोध्या में साधुओं, संतों, बुद्धिजीवियों और संघ के पदाधिकारियों से भी मिलेंगे।

सीएम योगी बोले- संघ ने 100 सालों में कोई सौदेबाजी नहीं की

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव के दौरान आरएसएस को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर कहा कि लोग पूछते हैं कि आरएसएस की फंडिंग कहां से होती है। इतना बड़ा संगठन किसके फंड से चल रहा है. उन सभी से कहना चाहता हूं कि आरएसएस समाज के सहयोग से चल रहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) को कोई देश या संगठन फंडिंग नहीं करता. लोग निःस्वार्थ भाव से जुड़ते हैं. इसके बाद देशहित की भावना से संगठन को सहयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि संघ ने 100 सालों में कोई सौदेबाजी नहीं की, लेकिन कुछ लोगों ने दुनिया व भारत में सेवा को सौदेबाजी का माध्यम बनाया है. जबकि आरएसएस, राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ पिछले सौ वर्षों से लोगों की निःस्वर्थ सेवा में लगा है। हर वर्ग के लिए और उनके जीवन के उत्थान के लिए आरएसएस काम कर रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि श्रीमद्भागवत गीता के 18 अध्यायों में वर्णित 700 श्लोक सनातन धर्मावलंबियों के लिए जीवन का मंत्र हैं। हमने धर्म को मात्र उपासना विधि नहीं माना है। यह तो अपनी आस्था के अनुसार तय होती है। वास्तव में धर्म हमारे यहां जीवन जीने की कला है. गीता हमें जीवन जीने की ही कला सिखाती है। हमने कभी भी अपनी श्रेष्ठता का डंका नहीं पीटा। जीयो और जीने की अवधारणा भारत की धरती ने ही विश्व को दी है। वसुधैव कुटुंबकम्‌ की प्रेरणा भी हमने ही दी।

गीता का ज्ञान लोगों को बनाएगा स्मार्ट

सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म ने हमें सिखाया है कि अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता है और बुरे कर्म का फल बुरा होता है। हमें गीता ने बताया कि फल की इच्छा से इतर निष्काम कर्म ही जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। सीएम ने स्मार्ट सिटी को लेकर भी बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी का क्या फायदा जब स्मार्ट सिटीजन ही नहीं होंगे। ऐसे में गीता का ज्ञान लोगों को स्मार्ट बनाने के लिए है। स्वार्थगत तुष्टिकरण के बादल छंट रहे हैं। सनातन का उदय हो रहा है।

समाज के हर क्षेत्र में गीता का संदेश पहुंचे

सीएम ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि गीता के संदेश को घर घर और जन जन तक पहुंचाने का है. उन्होंने कहा कि 140 करोड़ लोगों के लिए गीता आवश्यक है. शिक्षा के क्षेत्र में भी गीता आए और बच्चों को शुरूआत से ही गीता के संस्कारों की शिक्षा दी जाए. समाज के हर क्षेत्र में गीता का संदेश पहुंचाना चाहिए. कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत भी मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने जोहानिसबर्ग में जी-20 के इतर वैश्विक नेताओं से मुलाकात की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को दुनिया के कई नेताओं के साथ अलग-अलग मुद्दों पर बातचीत की और कहा कि उन्होंने वैश्विक तरक्की और खुशहाली के लिए साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। मोदी ने दक्षिण अफ्रीका में जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन से इतर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात की।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'जोहानिसबर्ग में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से मिलना बहुत अच्छा रहा। इस साल भारत-ब्रिटेन भागीदारी में नयी ऊर्जा आई है और हम इसे कई क्षेत्रों में आगे बढ़ाते रहेंगे।' मोदी ने कहा कि मलेशिया के प्रधानमंत्री इब्राहिम के साथ उनकी 'अच्छी बातचीत' हुई। उन्होंने कहा कि भारत और मलेशिया 'द्विपक्षीय सहयोग को विविध क्षेत्रों में प्रगाढ़ करने के लिए' मिलकर काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से मिलकर 'खुश' हुए, जिनके साथ उनकी 'अलग-अलग मुद्दों पर अच्छी बातचीत हुई। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत-फ्रांस के रिश्ते दुनिया की भलाई के लिए एक ताकत बने हुए हैं! प्रधानमंत्री की कोरियाई नेता ली जे-म्युंग से भी मुलाकात हुई। इस साल म्युंग से उनकी यह दूसरी मुलाकात थी। मोदी ने कहा कि यह बातचीत 'हमारी विशेष रणनीतिक भागीदारी में मजबूत रफ़्तार का संकेत है। हमने अपने आर्थिक और निवेश जुड़ाव को और गहरा करने के लिए दृष्टिकोण साझा किए।' ब्राजील के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद मोदी ने कहा, 'भारत और ब्राजील अपने लोगों के फायदे के लिए कारोबार और सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।' प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुतारेस के साथ उनकी 'बहुत सार्थक' बातचीत हुई। सम्मेलन के मुख्य सत्र से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी समेत कई दूसरे नेताओं से भी बातचीत की।

शिखर सम्मेलन में जी-20 नेताओं के साथ एक फोटो साझा करते हुए मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हम एक साथ मिलकर वैश्विक प्रगति और समृद्धि के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। मोदी ने अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंजाल्वेस लौरेंको से भी मुलाकात की और कहा कि उन्हें इस साल की शुरूआत में दिल्ली में उनका स्वागत करने का सम्मान मिला। उन्होंने कहा, भारत अंगोला के साथ दोस्ती को महत्व देता है और दोनों देश व्यापार के साथ-साथ सांस्कृतिक संबंध बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

हिन्दू एकता से भारत जिहादी हमलों पर विजय पायेगाः आलोक कुमार

विश्व हिन्दू परिषद् ने वर्तमान समय में हिन्दू एकता पर दिया बल

देहरादून। श्री नंदा राज जात उत्सव में विश्व हिन्दू परिषद् के अन्तर राष्ट्रीय अध्यक्ष अलोक कुमार ने वर्तमान समय में हिन्दू एकता पर बल देते हुए जाति भेद को अमान्य किया और कहा जिस मंदिर में पुजारी प्रवेश को जाति के आधार पर रोकता है वहां भगवान नहीं रहते। उन्होंने जिहादी मानसिकता को भारत विरोधी बताया और कहा इसको वैचारिक संघर्ष से परास्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा नंदा राज जात यात्रा सम्पूर्ण हिन्दू समाज के लिए प्रेरक यात्रा है और इसका विश्व हिन्दू परिषद् पूरा समर्थन करती है।

कार्यक्रम में संस्कृति विभाग द्वारा भव्य नंदा राज जाट डोली का प्रदर्शन हुआ जिसे देखकर भाविकों की अश्रु छलक पड़े। समारोह की विशिष्ट नक्षत्र आकर्षण पद्मश्री बसंती बिष्ट थीं जिन्होंने अपने नंदा देवी जागर से वातावरण मंत्रमुग्ध कर दिया। उनको नंदा देवी समिति तथा विश्व हिन्दू परिषद् की ओर से नंदा देवी कोकिल कंठी जागर गायिका सम्मान से विभूषित किया गया।

इस कार्यक्रम में अखाडा परिषद् के अध्यक्ष पूज्य रवींद्र पुरी जी, टपकेश्वर महादेव के अध्यक्ष महंत ज कृष्णा गिरि जी, बालाजीधाम मंदिर के महंत सियाराम दस जी, विधायक श्री सहदेव पुंडीर, प्रसिद्ध नंदा जागर गायिका पद्मा बसंती बिष्ट, UKSSSC अध्यक्ष गणेश सिंह मर्तोलिया, आईपीएस, संहरते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो हिमांशु एरॉन, विश्व हिन्दू परिषद् उत्तराखंड के अध्यक्ष अजय कुमार, तथा नगर के अनेक गण्यमान्य डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी, सेना से निवृत्त सैनिक अधिकारी, तीन विश्विद्यालयों के छात्र छात्राएं, प्राध्यापक शामिल हुए।

आलोक कुमार ने रा स्व संघ के शताब्दीर वर्ष में पांच संकल्पों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पाँच संकल्प हैंः स्वदेशी और आत्मनिर्भरता, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और कुटुम्ब प्रबोधन। इन संकल्पों को 'पंच-परिवर्तन' कहा जाता है और इनका उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है।

इस अवसर पर हिन्दू विचार एवं से भावना से समाज कार्य में लगे महानुभावों को आलोक कुमार जी, पूर्व आईजी श्री मर्तोलिया तथा महंत रवींद्र पुरी जी ने सम्मानित किया। सम्पूर्ण उत्तराखंड में, विशेषकर केदारनाथ- बद्रीनाथ क्षेत्र में चिकित्सा सहायता प्रदान करने वाले विवेकानंद हेल्थ मिशन के सर्जक डॉ अनुज सिंघल को नंदा देवी सेवा सम्मान दिया गया। विश्व हिन्दू इकानोमिक फोरम के संयोजक तथा सेवा प्रमुख अजय गुप्ता को नंदा देवी अर्थ वीर सम्मान, अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैदिक अंक शास्त्र विशेषज्ञ अनुराधा पाल को नंदा देवी अंकशास्त्र वीर सम्मान, रा स्व संघ के प्रचारक एवं ऋषिकेश में भाउराव देवरस सेवाश्रम में सेवा कार्य में जुटे विजय कुमार को नंदा देवी सेवा सम्मान, केंद्रीय विद्यालय आई एम ए के प्रधानाचार्य श्री मामचंद को नंदा देवी शिक्षा वीर सम्मान प्रदान किये गए. कार्यक्रम में सुभारती शिक्षा समूह के सर्जक डॉ अतुल कृष्णा को नंदा देवी सेवा सम्मान प्रदान किया गया जी सुबर्ति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो हिमांशु एरोन ने स्वीकार किया। श्री ऋत्विक विजय, श्री राकेश चालगा, मनोज बिष्ट, लक्षिता, नवतेज ढढवाल, रा सेविका समिति ने सम्पूर्ण आयोजन को संभाला और सहायता की। इस सम्मलेन का आयोजन पूर्व सांसद तरुण विजय द्वारा नंदा देवी राज जात पूर्व पीठिका समिति एवं संस्कृति मंत्रालय द्वारा किया गया था।

दिल्ली-NCR में प्रदूषण की मार... सांसों पर मंडरा रहा बड़ा खतरा

नई दिल्ली। दिल्ली–एनसीआर में वायु प्रदूषण का संकट बना हुआ है, जिससे लोगों की सांसों पर खतरा मंडरा रहा है। दिल्ली में आज भी हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के सुबह सात बजे के ताजा आंकड़ों के अनुसार, सोमवार सुबह राजधानी के अधिकांश इलाकों में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स (AQI) 400 के पार दर्ज हुआ। नोएडा–गाजियाबाद में भी प्रदूषण का स्तर बढ़ा हुआ है। आनंद विहार में एक्यूआई 429 दर्ज किया गया, जबकि अशोक विहार में यह स्तर 420 रहा। आया नगर में एक्यूआई 339 मापा गया। बवाना में प्रदूषण स्तर 432, बुराड़ी में 402, और डीटीयू क्षेत्र में 399 दर्ज किया गया। द्वारका का AQI 386 और आईटीओ का 388 रहा। जहांगीरपुरी में प्रदूषण का स्तर बेहद चिंताजनक रहा, जहां एक्यूआई 437 दर्ज किया गया। मुंडका में यह 413, नजफगढ़ में 338, पंजाबी बाग में 412 और रोहिणी में 438 तक पहुंच गया। आरके पुरम में एक्यूआई 396 जबकि वजीरपुर में यह राजधानी के सबसे खराब स्तरों में शामिल 448 दर्ज किया गया। कुल मिलाकर, दिल्ली के अधिकांश इलाकों में हवा 'गंभीर' श्रेणी में बनी हुई है, जिससे आम जनता के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

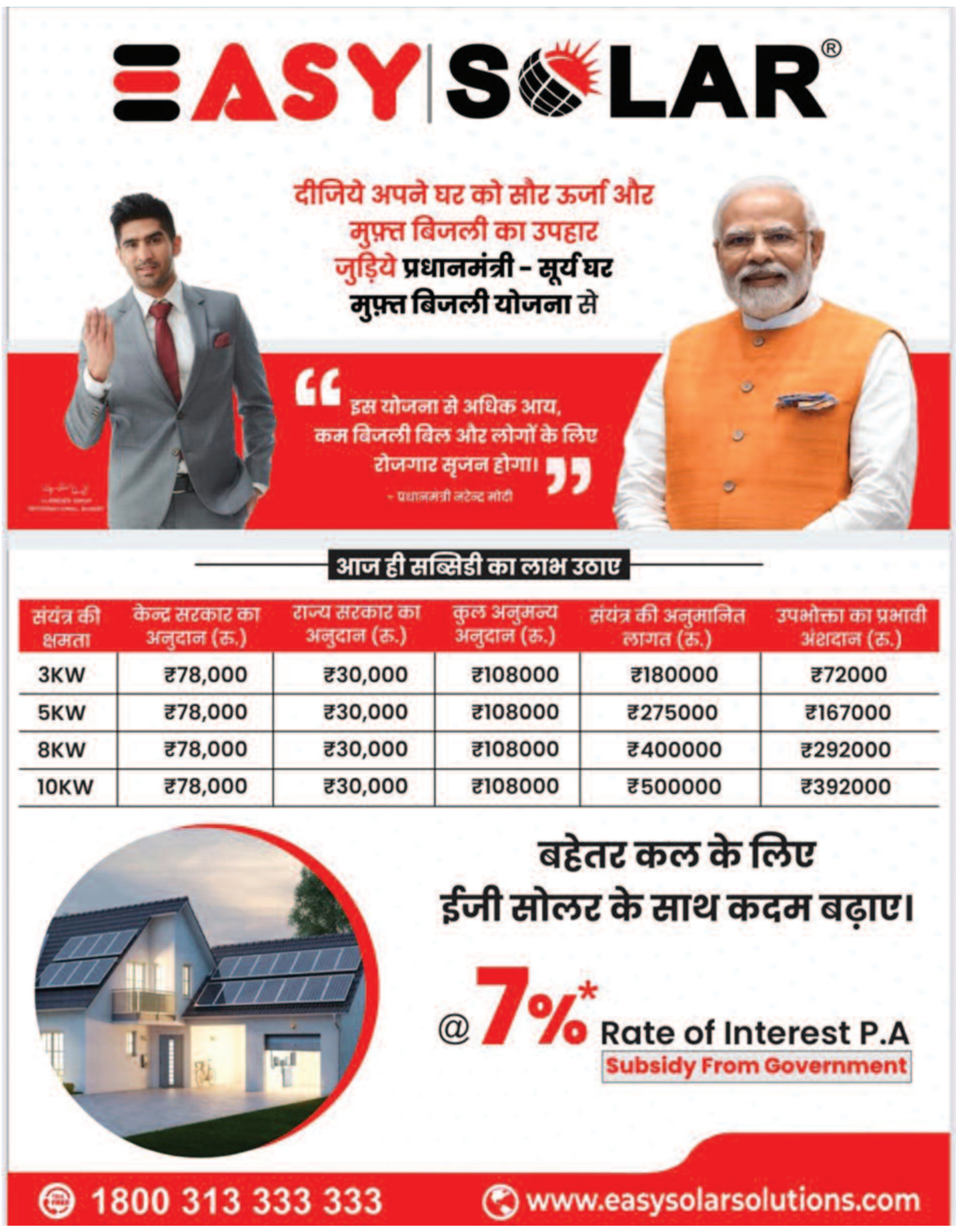

अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस कमिश्नर जे. रविन्दर गौड़ ने दिया अल्टीमेट डायरेक्टिव

जनपद में महिला सुरक्षा और लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए अधिकारी समन्वय और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जनपद में महिला संबंधी अपराध और लंबित विवेचनाओं का अब समयबद्ध निस्तारण प्राथमिकता बन गई है। बुधवार को पुलिस लाइन के परमजीत हॉल में पुलिस कमिश्नर जे. रविन्दर गौड़ की अध्यक्षता में अपराध संबंधी बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में मुख्य रूप से महिला अपराध, लंबित मामलों का निस्तारण, शिकायत निवारण प्रणाली और जनपद में अपराध नियंत्रण के व्यापक मुद्दों पर चर्चा की गई।

पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में अपराध नियंत्रण करना केवल पुलिस का कर्तव्य नहीं, बल्कि सभी अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि महिला सुरक्षा के मामलों में कोई ढील नहीं दी जाएगी और लंबित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक में एडिशनल पुलिस कमिश्नर मुख्यालय एवं अपराध केशव कुमार चौधरी, एडिशनल पुलिस कमिश्नर कानून व्यवस्था आलोक प्रियदर्शी, डीसीपी नगर धवल जायसवाल, डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील, डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी सहित सभी सर्किल के सहायक पुलिस आयुक्त उपस्थित रहे। पुलिस कमिश्नर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे अभियान के साथ महिला संबंधी अपराधों पर विशेष निगरानी बनाए रखी जाए। जे. रविन्दर गौड़ ने अधिकारियों से कहा कि आईजीआरएस पोर्टल और प्राप्त होने वाले शिकायती प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का रिकॉर्ड और उसकी प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से उच्च अधिकारियों को प्रस्तुत की जाए।

पुलिस कमिश्नर ने जोर देते हुए कहा कि जिन क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण के लिए स्थलीय निरीक्षण आवश्यक है, वहां अधिकारियों को स्वयं जाकर जांच कर निस्तारण सुनिश्चित करना होगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि महिला अपराध के मामलों में आरोपियों के खिलाफ त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित विवेचनाओं का डेटा तैयार किया जाए और शीघ्र निस्तारण के लिए आवश्यक संसाधनों का उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि कानून का पालन और महिला सुरक्षा के प्रति सजगता ही जनता के विश्वास को मजबूत करती है। सभी अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए गए कि क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण के लिए चल रहे अभियान और गतिविधियों का समन्वय बनाए रखा जाए।

इसके अलावा, पुलिस कमिश्नर ने स्कूली और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम, सामाजिक मीडिया अभियानों और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से महिला सुरक्षा और अपराध रोकथाम पर विशेष जोर देने को कहा। बैठक के दौरान जे. रविन्दर गौड़ ने कहा कि जनपद में अपराध नियंत्रण और महिला सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। लंबित विवेचनाओं का समय पर निस्तारण और शिकायतों का शीघ्र समाधान हमारी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। हम हर संभव प्रयास करेंगे कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और आमजन का विश्वास मजबूत बने।

पुलिस अधिकारियों ने बैठक में अपराध नियंत्रण और महिला सुरक्षा के लिए अपने क्षेत्रों में उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। पुलिस कमिश्नर ने सभी विभागों को समन्वय बनाए रखने और नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक के बाद अधिकारियों ने संकेत दिया कि महिला सुरक्षा मामलों में कार्रवाई और लंबित विवेचनाओं का निस्तारण अब तेज गति से होगा। जे. रविन्दर गौड़ की सक्रियता और अपराध नियंत्रण में तत्परता जनपद में कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ करने का विश्वास बढ़ा रही है।

खराब प्रदर्शन करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों पर की जाएं कड़ी कार्रवाई: जिलाधिकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की सह अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग से सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

बैठक के दौरान निम्न बिन्दुओ पर चर्चा करते हुए कार्यों में सुधार के आदेश दिए गए। जिसमें ओ.पी.डी. में विगत वर्ष के सापेक्ष 195252 की वृद्धि हुई एवं आई.पी.डी. विगत वर्ष के सापेक्ष 15397 की वृद्धि हुई है साथ ही प्रति डॉक्टर प्रति दिवस ओपीडी की संख्या 82.6 है। ई–संजीवनी कार्यक्रम में प्रति सीएचओ प्रति दिन किये जाने वाले टेली कंसल्टेशन का औसत राज्य स्तर से दिए गए लक्ष्य 5 के सापेक्ष 5.4 है।

साथ ही बैठक में चिकित्सा अधिकारीयों के द्वारा अक्टूबर माह में 50 से कम ई–संजीवनी करने वाले चिकित्सकों में से लगातार खराब प्रदर्शन करने वाले चिकित्सकों को कड़ी कारवाई करने हेतु आदेशित किया गया। जननी सुरक्षा योजना में 44419 (79%) महिलाओं का राजकीय एवं निजी चिकित्सालयों में सुरक्षित संस्थागत प्रसव हुआ है जिसमे से राजकीय चिकित्सालय में 11493 प्रसव हुए है जिसमे से 4271 लाभार्थियों को जेएसवाई प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया गया। राज्य स्तर से नवीन लेखा पद्धति लागू होने के कारण उक्त भुगतान का प्रतिशत कम हैं उक्त समस्त राजकीय प्रसव के लाभर्थियो की ऑनलाइन प्रविष्टि मंत्रा एप्प में संपन्न कर दी गयी है। अप्रैल से अब तक 111 प्रतिशत बच्चों को एमआर–1 की खुराक से लाभान्वित किया गया है।

महिला नसबंदी में अब तक कुल 1631(94.5%) संपन्न की गयी है। उक्त समस्त बिन्दुओ की समीक्षा करते हुए अध्यक्ष के द्वारा विभिन्न राष्ट्रिय कार्यक्रमों में जनमानस की सहभागिता हेतु विभिन्न विभागों के साथ उचित समन्वय स्थापित करने के निम्न निर्देश दिए गए। पुराने जिला महिला चिकित्सालय एवं सी.एच.सी. डासना के जीर्ण भवन को ध्वस्तीकरण करने हेतु प्रस्ताव जिलाधिकारी स्तर से भेजा जायेगा। समस्त आशाओं का मासिक प्रोत्साहन राशि का भुगतान ससमय तय समय सीमा में करना सुनिश्चित करें। समस्त जेएसवाई लाभार्थी का भुगतान करने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। डायग्नोस्टिक सर्विस के लिए समस्त चिकित्सालयों और लैब में आवश्यक सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चत करें। आवश्यक दवा सूची के सापेक्ष औषधियों की उपलबध्ता सुनिश्चित की जाएं।

गाजियाबाद सहित एनसीआर में ग्रेप स्टेज-3 लागू

अग्रिम आदेश तक ईंट-भट्टों का संचालन बंद रखें: सौरभ भट्ट

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गजियाबाद। अपरजिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सौरभ भट्ट ने जनपद के समस्त ईट भट्टा स्वामियों से कहा है कि एनसीआर में ग्रेप स्टेज-3 लागू हो चुका है। इसलिए वे अग्रिम आदेश तक ईंट-भट्टों का संचालन पूर्णतः बंद करके रखें। एडीएम वित्त एवं राजस्व सौरभ भट्ट ने बताया कि कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली व आस पास के इलाकों में ग्रेप -(जीआरएपी)-3 लागू कर दिया गया है। इस संबंध में जीआरपीए के निदेशों के अनुपालन के सम्बंध में जिलाधिकारी ने 12 नवंबर को हुई बैठक में निर्देशित दिया गया था कि दिल्ली एन०सी०आर० क्षेत्र में ग्रेप स्टेज-3 लागू होने के कारण अग्रिम आदेशों तक जनपद में सभी संचालित ईट-भट्टों को बंद कराया जाये। उन्होंने कहा कि सभी ईट-भट्टा संचालकों को निर्देश दिया जाता है कि वे अग्रिम आदेशों तक अपने ईट भट्टे का संचालन बंद रखे। ऐसा न करने पर संचालित ईट भट्टा पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति के अन्तर्गत अर्थदण्ड की कार्रवाई की जाएगी।

नूरनगर में विकास कार्यों का जीडीए वीसी ने किया निरीक्षण

समयबद्धता, गुणवत्ता और पारदर्शिता पर उपाध्यक्ष की कड़ी निगरानी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण प्रधानमंत्री आवास योजना को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। इसी क्रम में आज प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने नूरनगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित भवनों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने आवासीय इकाइयों की निर्माण प्रगति, गुणवत्ता, आधारभूत ढांचे और लाभार्थियों तक आवंटन शीघ्र सुनिश्चित करने के उपायों की विस्तार से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने अधीनस्थ अधिकारियों एवं ठेकेदारों को निर्धारित समयसीमा में विकास कार्य पूर्ण करने का व्यौरा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये साथ ही गुणवत्ताहीन कार्य पर शून्य सहनशीलता अपनाने और कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने लाभार्थियों को जल्द से जल्द आवास उपलब्ध कराने के लिए लंबित कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता से निपटाने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने परियोजना में व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स के निर्माण के निर्देश भी दिए, ताकि अनुरक्षण पर आने वाले व्यय की आर्थिक भरपाई सुनिश्चित हो सके और योजना आत्मनिर्भर बने। निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने नूरनगर में ही विकसित किए जाने वाले 77 आवासीय भूखंडों की प्रस्तावित योजना के स्थल का भी निकट से अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस योजना में विकास कार्य तेज रफ्तार और उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ किए जाएं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि सड़क, नाली, सीवर तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित कार्यों में पारदर्शिता और मजबूती सर्वोपरि रहे। उपाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है, और जीडीए इस लक्ष्य को साकार करने के लिए निरंतर मैदान पर सक्रिय और उत्तरदायी भूमिका में कार्य कर रहा है।

बढ़ती ठंड को देखते हुए निगम ने गोवंशों के लिए गौशाला में लगाए तिरपाल

ठंड में निराश्रित गोवंशों एवं पशुओं का रखा जाए विशेष ध्यान: नगर आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर निगम द्वारा बढ़ती ठंड को देखते हुए नंदी पार्क गौशाला में तिरपाल की व्यवस्था कराई गई है, ठंड से गोवंश को परेशानी ना हो ठंडी हवाएं गोवंश को बीमार ना कर दे इसका ध्यान रखते हुए गाजियाबाद नगर निगम टीम द्वारा समय रहते ही तिरपाल लगाने का कार्य कराया जा चुका है, सुबह और शाम की ठंड बहुत ही ज्यादा हो रही है जिसके लिए आवश्यकता को देखते हुए गौशाला में अलाव की व्यवस्था भी की गई है, गोवंशों को खाने के लिए गुड़ की मात्रा बढ़ा दी गई है जिससे ठंड प्रभावित न हो ध्यान रखा जा रहा है। उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉक्टर अनुज द्वारा बताया गया कि नगर आयुक्त महोदय के निर्देश के क्रम में ठंड की शुरूआत में ही गौशाला में तिरपाल लगाने का कार्य करा दिया गया है छोटे गाय के बछड़े तथा बछिया को भी झूल पहनाने का कार्य कराया जा रहा है ठंड में छोटे गोवंशों का विशेष ध्यान टीम के द्वारा रखा जा रहा है, इसके अलावा गोवंशों का ध्यान रखने वाली टीम को भी कंबल वितरित किए गए हैं तथा हीटर भी लगाए गए हैं' निराश्रित गोवंश को भी गौशाला में आश्रय देने के लिए अभियान को तेज करने के निर्देश नगर आयुक्त द्वारा टीम को दिए गए हैं।

कृषि यंत्रों की ई-लाटरी के माध्यम से कृषक चयन की प्रक्रिया सम्पन्न

ई-लाटरी से कृषि यंत्रों के लिए 11 किसानों का चयन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार सभागार में सीडीओ अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कृषि यंत्रों की ई-लाटरी के माध्यम से कृषक चयन की प्रक्रिया सम्पन्न हुई, जिसमें ई-लाटरी से कृषि यंत्रों के लिए 11 किसानों का चयन किया गया।

उप कृषि निदेशक राम जतन मिश्र ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यकारी समिति एवं उपस्थित कृषकों को पहले ई-लाटरी करने की पूर्ण प्रक्रिया को विस्तार पूर्वक बताया गया। इसके बाद कृषि यंत्रीकरण की समस्त योजनाओं में विकास खण्डवार सभी प्रकार के यन्त्रों के लाभार्थियों का चयन किया गया।

ई-लाटरी के माध्यम से कुल 57 आवेदनकर्ता किसानों के सापेक्ष लक्ष्य के अनुसार 11 किसानों के टोकन कन्फर्म कर चयन किया गया। इनके अलावा 50 प्रतिशत आवेदनकर्ता किसानों की प्रतीक्षा सूची तैयार की गई तथा टोकन कन्फर्म होने की सूचना कृषकों के मोबाईल पर पोर्टल के माध्यम से भेजी गयी है।

ई-लाटरी में चयनित किसानों में कल्टीवेटर– एसएमएएम– कविता, कस्टम हायरिंग सेन्टर– इन-सीटू– राजकुमार गौतम, पावर चैफ कटर– एसएमएएम– ओम, मल्टी कॉप थ्रेसर– एसएमएएम– जयवीर, कस्टम हायरिंग सेन्टर–इन सीटू– देवेन्द्र, बेलिंग मशीन– इन-सीटू– तेज पाल सिंह, कस्टम हायरिंग सेन्टर– एसएमएएम– सुरेन्द्र, सुपर सीडर– इन-सीटू– ब्रजपाल, जीरो-टिल सीड कम-फर्टिलाइजर ड्रिल– इन-सीटू– वसीम, कस्टम हायरिंग सेन्टर– एसएमएएम– रामवीर, पावर चैफ कटर– एसएमएएम– वेद प्रकाश शामिल हैं।

नगर आयुक्त ने प्रदूषण-मुक्त और स्वच्छ शहर बनाने के लिए की रणनीतिक बैठक

वायु गुणवत्ता सुधार, कचरा प्रबंधन, गड्ढा मुक्त सड़कें और सीवर परियोजनाओं के लिए आवास विकास एवं निगम अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शहर की बिगड़ती वायु गुणवत्ता को सुधारने और नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वास्थ्यप्रद वातावरण उपलब्ध कराने के लिए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने शुक्रवार को आवास विकास एवं नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त बैठक बुलाकर वायु प्रदूषण नियंत्रण, कचरा प्रबंधन और सड़कों की मरम्मत सहित शहर के महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर मंथन किया।

बैठक में नगर आयुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि वायु प्रदूषण पर नियंत्रण केवल नगर निगम का कार्य नहीं है, बल्कि इसके लिए सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने आवास विकास विभाग से आग्रह किया कि शहर के हर क्षेत्र में प्रदूषण रोकथाम अभियान को समान रूप से प्रभावी बनाया जाए। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम 24 घंटे वायु गुणवत्ता सुधार हेतु लगातार प्रयासरत है, लेकिन शहर के कुछ क्षेत्र निगम सीमा से बाहर आते हैं, जहाँ वायु प्रदूषण की स्थिति गंभीर बनी हुई है। ऐसे क्षेत्रों में भी अभियान प्रभावी बनाने हेतु आवास विकास विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है।

बैठक में विशेष रूप से सिद्धार्थ विहार, सिकंदरपुर और अन्य आवास विकास क्षेत्रों में वॉटर स्प्रिंकलर, धूल नियंत्रण और एंटी स्मोक गन के नियमित संचालन के लिए कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि इन उपकरणों का उपयोग समयबद्ध और सतत रूप से किया जाए ताकि वायु गुणवत्ता में सुधार देखा जा सके। इस अवसर पर बैठक में उप आवास आयुक्त मेरठ जोन अनिल कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता विकास गौतम, हवलदार राम, निखिल महेश्वरी, नगर निगम से अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता नरेंद्र कुमार चौधरी, जलकल विभाग से आश कुमार एवं नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने बैठक में शहर हित से जुड़े पाँच प्रमुख मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की और सभी विभागों को शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ विहार से निकलने वाले कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण अत्यंत आवश्यक है।

इसके साथ ही अजंता पुरम, सिकंदरपुर और अन्य आवास विकास क्षेत्रों की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाना और निर्माण एवं ध्वस्तीकरण (सी एंड डी) कचरे से मुक्त कराना भी प्राथमिकता में शामिल किया गया। बैठक में आवास विकास क्षेत्र में एमआरएफ सेंटर (सूखा कचरा प्रसंस्करण केंद्र) और कचरा स्थानांतरण केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव को नगर आयुक्त ने तत्काल क्रियान्वयन योग्य बताते हुए इसे प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, आवास विकास की योजनाओं में बनने वाली सीवर लाइन और सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) की जानकारी नगर निगम के साथ साझा करने पर जोर दिया गया। नगर आयुक्त ने सभी विभागों को स्पष्ट संदेश दिया कि गाजियाबाद को प्रदूषण मुक्त और स्वच्छ बनाने के लिए सामूहिक प्रयास ही समाधान हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सीवर लाइन और शोधन संयंत्र तथा शहरी स्वच्छता से जुड़े कार्यों को तत्काल प्राथमिकता दी जाए। इसके साथ ही नगर निगम की 311 नागरिक शिकायत प्रणाली से आवास विकास विभाग को जोडऩे का सुझाव भी दिया गया, ताकि जनहित से जुड़े मुद्दों को शीघ्र और प्रभावी ढंग से हल किया जा सके। नगर आयुक्त ने बैठक के अंत में कहा कि भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए शहर को प्रदूषण-मुक्त, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने के लिए हर विभाग को एकजुट होकर काम करना होगा। यह केवल नगर निगम का प्रयास नहीं, बल्कि सभी विभागों का सामूहिक दायित्व है।

हमें सुनिश्चित करना होगा कि हर क्षेत्र में आधुनिक तकनीक और सतत कार्ययोजना के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिले। इस बैठक में नगर निगम और आवास विकास विभाग के अधिकारियों ने अपने क्षेत्रीय अभियानों और कार्ययोजना के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। नगर आयुक्त ने सभी विभागों से कहा कि शहरी सौन्दर्यीकरण और प्रदूषण नियंत्रण के लिए तैयार मास्टर प्लान को शीघ्र प्रस्तुत करें, ताकि गाजियाबाद को शासन की मंशा के अनुरूप आदर्श और प्रदूषण मुक्त शहर बनाया जा सके।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मिल्कवीड फसल का निरीक्षण किया, मैनिकिन उपकरण किया लॉन्च

निट्रा में मिल्कवीड की फसल का निरिक्षण एवं देश का पहला मैनिकिन ज्वाला समाविष्ट परीक्षण उपकरण का देश और उद्योग जगत को समर्पण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को गाजियाबाद स्थित उत्तर भारतीय वस्त्र अनुसंधान संघ (निट्रा) का दौरा किया। गिरिराज सिंह ने निट्रा में स्थापित भारत की पहली मैनिकिन फ्लेम टेस्ट प्रणाली को औपचारिक रूप से राष्ट्र और उद्योग जगत को समर्पित किया।

वस्त्र मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि गिरिराज सिंह ने इस अवसर पर भारतीय वस्त्र अनुसंधान संघ (निट्रा) परिसर में उगाई जा रही मिल्कवीड (आक) की फसल का निरीक्षण किया। केंद्रीय मंत्री ने आक/मिल्कवीड पर निट्रा के अग्रणी अनुसंधान की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसमें वस्त्र क्षेत्र में क्रांति लाने की क्षमता है। सिंह ने यह भी बताया कि यह आधुनिक युग के रेशों में से एक है और निट्रा ने इस तकनीक को पहले ही कई प्रमुख कंपनियों को हस्तांतरित कर दिया है। इसे अपनाने के लिए अन्य कंपनियों के साथ बातचीत कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने नव स्थापित मैनिकिन फ्लेम टेस्ट प्रणाली के बारे में कहा कि इससे न केवल कपड़ा उद्योग, बल्कि इस्पात, तेल, गैस, पेट्रोलियम, रेलवे और रसायन क्षेत्र को भी लाभ होगा। यह परीक्षण प्रणाली उच्च जोखिम वाले वातावरण में कामगारों के जीवन की रक्षा करने में मदद करेगी। गिरिराज सिंह ने उद्योगों से मिल्कवीड-आधारित और अधिक उत्पाद विकसित करने और भारत एवं विदेशों में निट्रा के अनुसंधान को आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

इस अवसर पर भारतीय वस्त्र अनुसंधान संघ के महानिदेशक डॉ. एमएस परमार ने कहा कि यह तकनीक सुरक्षात्मक कपड़ों के महत्व को मजबूत करती है और विभिन्न उद्योगों के लिए आवश्यक सुरक्षात्मक वस्त्र के सटीक प्रकार को निर्धारित करने में मदद करती है।

मंत्रालय ने बताया कि सभी औद्योगिक क्षेत्रों को भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के तहत सुरक्षात्मक वस्त्र उत्कृष्टता केंद्र, निट्रा द्वारा प्रदान की जाने वाली मैनिकिन फ्लेम टेस्ट सुविधा और अन्य सेवाओं का उपयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

मतदाता पुनरीक्षण महाअभियान को लेकर महानगर अध्यक्ष की महत्वपूर्ण बैठक

एसआईआर को गति देने के लिए मयंक गोयल ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

अभियान की रणनीति एवं जन-सहभागिता सहित कई विषयों पर हुई चर्चा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। मतदाता पुनरीक्षण महाभियान एसआईआर (स्पेशल इंटेंशिव रिविजन) को सुव्यवस्थित, प्रभावी और जनसहायक रूप से संचालित करने के लिए भाजपा महानगर कार्यालय नेहरूनगर में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा महानगर अध्यक्ष एवं मुख्य अभियान नियंत्रक मयंक गोयल ने की। बैठक में अभियान की रणनीति, जनसहभागिता और फॉर्म जमा कराने में आने वाली समस्याओं के समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई।

अध्यक्ष मयंक गोयल ने अभियान को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर जारी किए, जिनके माध्यम से आमजन सीधे टीम से सहायता प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि आगामी रविवार को प्रत्येक बूथ पर भाजपा कार्यकर्ता कैंप लगाकर नागरिकों के फॉर्म की जाँच, मार्गदर्शन और जमा कराने में पूर्ण सहयोग देंगे।

उन्होंने कहा कि पहचान के लिए निर्धारित 11 प्रकार की आईडी में से किसी भी मान्यता प्राप्त आईडी के आधार पर फार्म जमा किए जा सकते हैं। फॉर्म जमा होते ही मतदाता पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूर्ण मानी जाएगी। भाजपा कार्यकताओं की टीमें प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक नेहरू नगर कार्यालय पर उपलब्ध रहकर लोगों की समस्याओं का समाधान कर रही हैं।

भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने बताया कि गणक पत्र (फार्म) जमा करने से पूर्व सभी प्रविष्टियों की जांच अवश्य करें, वर्तमान फोटो लगाएँ तथा अपने और बीएलओ के हस्ताक्षर के साथ फॉर्म जमा करें। साथ ही रिसीविंग कॉपी लेना न भूलें, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार की समस्या न हो।

बैठक में संगठनात्मक रूप से अभियान को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न टीमों के हेल्पलाइन नंबर की भी घोषणा की गई। मयंक गोयल ने सभी कार्यकताओं से अपील की कि वे जनता को सही जानकारी उपलब्ध कराते हुए रकफ अभियान को शतझ्रप्रतिशत सफल बनाने में अपनी पूर्ण जिम्मेदारी निभाएँ। यह अभियान न केवल संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त बनाने में एक निर्णायक कदम है।

अभियान को लेकर गठित की गई टीम

- मुख्य अभियान नियंत्रक
- मयंक गोयल
- अभियान संयोजक
- सुभाष चंद शर्मा

अभियान सह-संयोजक एवं बीएलए-1 टोली

- अमित रंजन, देवेन्द्र गिरी, संदीप चोधरी, बलराम रावल आदि को नियुक्त किया गया है।

ये बनाये गये हैं मॉनिटरिंग संयोजक

- पंकज भारद्वाज, मीडिया संयोजक प्रदीप चौधरी, डिजिटल संयोजक टोली सोनू भाटी, अक्षय अग्रवाल, प्रियंका प्रियदर्शनी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सूडा विभाग ने बनाया जनता के लिए सामुदायिक भवन माफियाओं ने किया कब्जा और महापौर ने कराया खाली

कई वर्षों से विभाग कब्जा मुक्त का कर रहा प्रयास लेकिन एक दिन में महापौर ने करवाया कब्जा मुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। एक रोज पहले महापौर सुनीता दयाल से गीता नामक शिकायतकर्ता मिली जिन्होंने बताया कि सूडा विभाग(उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम) द्वारा अर्थला(न्यू हिण्डन विहार) में लिवलिहूड़ सेंटर(सामुदायिक भवन/कम्यूनिटी सेंटर) वर्ष 2008 में लगभग 3000 वर्गमीटर भूमि पर सामुदायिक भवन का निर्माण शुरू हुआ और लगभग 2012-13 में पूर्ण हुआ जिसको द्वितीय तल का बनाया गया और हमे उसको चलाने के लिए दिया गया और लंबे समय से कुछ दबंग लोगो का उसपर काबन है जिसमे महापौर सुनीता दयाल ने मामले की विभाग से पूर्ण जानकारी ली गयी और फिरपरियोजना प्रबंधक श्रीमती अर्चना जी से फोन वार्ता कर बात करी उन्होंने बताया कि यह योजना मेरे आने से बहुत पहले से ऐसे ही कब्जे में है जिसको लेकर लगातार पुलिस विभाग को पत्राचार किया गया है लेकिन अभी कब्जा खाली नही किया गया है तब महापौर से पूछा कि इतनी बेस किमली भूमि और सामुदायिक भवन को लगभग 15 वर्षो से युही छोड़ा हुआ है किसी के उस भवन को नगर निगम को हस्तांतरित करने की नही सोची और महापौर ने अर्चना जी को कल दोपहर 2 बजे वहाँ पहुँचने ने निर्देश दिए और कहा कि मैं अपने नगर निगम,संपत्ति और पुलिस विभाग की टीम को भेज रही हूँ इसको आज ही कब्जा मुक्त कराया जाएगा और फिर महापौर ने डी सी पी ट्रांस हिण्डन को फोन कर पुलिस फोर्स को 2 बजे मोके पर पहुँचे को कहा व नगर निगम के सम्पत्ति व निर्माण के अधिकारियों को ई टी एफ टीम से साथ भेजा और तीनों विभागों ने सामुहिक रूप से वह भवन खाली कराया लेकिन उसी दौरान एक बेटी की बारात उस भवन में आने वाली थी जिसके लिए उस बेटी के परिजनों ने केवल 1 शादी होने तक ताला न लगने की प्राथना की जिसमे महापौर ने उनको बेटी के विवाह हेतु पूर्ण समय दिया और आज उस भवन में अपना ताला लगाकर विभाग को अपना कब्जा दिलवाया गया है और माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश भी दिए गए हैं, जिसमे विभाग के अधिकारियों के द्वारा महापौर का धन्यवाद भी दिया गया कि बहुत लम्बे समय से जो कार्य नही हुआ वह आपके निर्देशन में एक दिन में हो गया।

महापौर द्वारा बताया गया कि दूसरी सरकारों में शहर में विभिन्न योजनाओं का धरातल पर लाया गया लेकिन उनका उपयोग नही किया गया जिसके कारण वह भवन माफियाओं द्वारा कब्जा किये गए और जनता के पैसे का उपयोग ठीक प्रकार से नही हुआ और ऐसे ही पूर्व में भी नंदग्राम स्थित सामुदायिक भवन भी खाली कराया गया था और नगर निगम के कब्जे में लिया गया था।

इस प्रकार की योजनाओं पर सभी विभागों का ध्यान होना चाहिए और जिस किसी विभाग की इस प्रकार की योजनाए किसी प्रयोग में नही आ रही हैं वह उसकी देख रेख शुरू करे और जिस विभाग को भी हस्तांतरण होनी है उन भवनों को ठीक कराकर हस्तान्तरित करें जिससे भविष्य में कब्जा न हो सके।

झूठा कंटेंट वायरल करने के मामले में पूर्व महापौर ने डीसीपी सिटी से की शिकायत

अशु वर्मा ने जांच कराकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। पूर्व महापौर अशू वर्मा ने अपने खिलाफ की जा रही साजिश को लेकर डीसीपी सिटी धवल जायसवाल से शिकायत की है। आरोप है कि अज्ञात लोगों द्वारा उनके खिलाफ सोशल मीडिया पर भ्रामक व तथ्यहीन कंटेंट वायरल कर छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है। दिल्ली में हुए बम विस्फोट मामले में दिये गए भाषण को गलत तरीके से पेश किये जाने का भी पूर्व महापौर ने आरोप लगाया है।

पूर्व महापौर अशु कुमार वर्मा डीसीपी सिटी धवल जायसवाल से मिले और एक प्रार्थना पत्र सौंपकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे भ्रामक एवं तथ्यहीन कंटेंट के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

पूर्व मेयर ने अपने प्रार्थना पत्र में उन्होंने उल्लेख किया है कि 10 नवम्बर 2025 को दिल्ली में आतंकी डॉक्टर उमर द्वारा किए गए बम विस्फोट की पृष्ठभूमि में, उन्होंने 13 नवंबर को भारतीय जनता पार्टी के एक कार्यक्रम में भाषण दिया था। भाषण के दौरान उन्होंने कहा था कि डॉक्टर भी आतंवादी हो सकता है, प्रोफेसर भी हो सकता है, लेखक भी हो सकता है, मैकेनिक भी हो सकता है, घास खोदने वाला भी हो सकता है।

इनका अर्थात इनके आतंकवाद का पढ़ाई-लिखाई से कोई संबंध नहीं है। इन्हें अपनी कट्टरता से मतलब है। पूर्व महापौर ने स्पष्ट किया कि उनके भाषण का आशय केवल यह था कि आतंकवाद किसी पेशे या व्यक्ति की जाति-परंपरा से नहीं, बल्कि उसके कृत्य से पहचाना जाता है। लेकिन अपराधियों और आतंकी समर्थक तत्वों ने उनके बयान को तोड़-मरोड़कर सोशल मीडिया पर इस रूप में फैलाया कि उन्होंने एक जाति को आतंकवादी कहा है, जो पूरी तरह झूठ, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह एक सोची-समझी साजिश है, जिसके माध्यम से उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया गया है।

पूर्व महापौर ने मांग की है कि इस झूठे कंटेंट को तत्काल सोशल मीडिया से हटवाया जाए और इसकी तथ्यात्मक जांच कराते हुए ऐसे अपराधियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, जो समाज में वैमनस्य फैलाने और उनकी प्रतिष्ठा धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। अंत में पूर्व महापौर ने कहा कि समाज में शांति, सौहार्द और सद्भाव बनाए रखने की ज़िम्मेदारी सभी नागरिकों की है, और ऐसे तत्वों पर कठोर कार्रवाई होना अत्यंत आवश्यक है। जिससे फिर किसी की छवि को धूमिल कर उसकी गरिमा को कोई ठेस ना पहुंचा सके।

डॉ. पी.एन. अरोड़ा को मिला हेल्थकेयर उत्कृष्टता सम्मान, चिकित्सा जगत में बढ़ा भारत का मान

-केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने किया सम्मानित, यशोदा मेडिसिटी को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में डॉ. अरोड़ा की दूरदर्शिता का बड़ा योगदान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भारत में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता और मानवता के आदर्श स्थापित करने वाले यशोदा मेडिसिटी हॉस्पिटल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक डॉ. पी. एन. अरोड़ा को इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएसीसी) द्वारा बुधवार को आयोजित 9वें व्यावसायिक नेतृत्व सम्मान समारोह में ह्यस्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में व्यवसाय उत्कृष्टता सम्मानह्व से नवाजा गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्वयं प्रदान किया। इस अवसर पर समारोह में शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. ललित भसीन, सह-अध्यक्ष डॉ. अतुल चौहान और उत्तर भारत परिषद के क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोज के. सिंह भी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान डॉ. अरोड़ा के योगदान को सराहते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ चिकित्सा और करुणामय रोगी देखभाल को एक साथ जोड़कर एक विश्वसनीय और बहु-विशिष्ट स्वास्थ्य नेटवर्क स्थापित किया है। उनके नेतृत्व में यशोदा समूह ने उच्च स्तरीय सेवाओं, नैतिक चिकित्सा प्रथाओं और रोगी-केंद्रित सेवा के क्षेत्र में कई मिसाल कायम की हैं।

आईएसीसी के प्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अरोड़ा ने केवल संगठनात्मक दृष्टि से ही स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्टता नहीं दिखाई, बल्कि उन्होंने मरीजों की देखभाल, रोगियों के अनुभव और अस्पताल प्रबंधन में नवाचार के क्षेत्र में भी अपनी छाप छोड़ी है। उनके नेतृत्व में यशोदा

अस्पतालों ने बहु-विशिष्ट उपचार सुविधाएँ विकसित की हैं, जिनमें हृदय रोग, न्यूरो सर्जरी, कैंसर, आपातकालीन चिकित्सा, नवजात और बाल चिकित्सा जैसी उन्नत सेवाएँ शामिल हैं।

समारोह में यह भी बताया गया कि डॉ. अरोड़ा का योगदान केवल संगठन तक सीमित नहीं है। वे सामुदायिक स्वास्थ्य, जन-कल्याण, चिकित्सा शिक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों में भी सक्रिय रूप से भाग लेते रहे हैं। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और रणनीतिक सोच ने यशोदा समूह को देश के अग्रणी स्वास्थ्य संस्थानों की श्रेणी में स्थापित किया है।

सम्मान ग्रहण करते हुए डॉ. पी. एन. अरोड़ा ने कहा कि यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं है, बल्कि यशोदा परिवार के हर सदस्य के समर्पण और टीमवर्क का परिणाम है। हमारा उद्देश्य है कि हर व्यक्ति को उन्नत, सुलभ और मानवीय स्वास्थ्य सेवाएँ मिलें। भविष्य में भी हम इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे और चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार और सेवा की मिसाल कायम करेंगे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा केवल व्यवसाय नहीं बल्कि एक नैतिक दायित्व है। तकनीक, प्रशिक्षण, मरीज-केंद्रित सेवा और समाज की भलाई के संयोजन से ही स्वास्थ्य क्षेत्र में स्थायी और प्रभावशाली बदलाव लाए जा सकते हैं। डॉ. पी. एन. अरोड़ा को प्राप्त यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत योगदान का प्रमाण है, बल्कि भारत में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता और मानवीय चिकित्सा की दिशा में किए गए प्रयासों को भी मान्यता देता है। यशोदा समूह, उनके नेतृत्व में, भविष्य में भी उच्च स्तरीय और मानवीय स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी बने रहने का संकल्प ले चुका है। यह उपलब्धि पूरे देश के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है और यह दिखाती है कि नेतृत्व, समर्पण और नवाचार के मेल से किसी भी संगठन को वैश्विक स्तर पर मान्यता और सफलता मिल सकती है।

सामुदायिक स्वास्थ्य और जन-कल्याण में योगदान

डॉ. अरोड़ा ने हमेशा ही समाज के हर वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने पर जोर दिया। उन्होंने न केवल शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य नेटवर्क मजबूत किया, बल्कि ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में जागरूकता अभियान, नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर और टीकाकरण जैसे कार्यक्रम भी सफलतापूर्वक चलाए। उनके प्रयासों से हजारों लोगों को समय पर चिकित्सकीय सहायता मिली और जीवन रक्षा संभव हुई। इसके अलावा, डॉ. अरोड़ा ने चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से नए डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने यशोदा समूह के भीतर उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार कर स्वास्थ्य सेवा के स्तर को लगातार उन्नत किया।

यशोदा मेडिसिटी की उपलब्धियाँ और वैश्विक मान्यता

डॉ. अरोड़ा के नेतृत्व में यशोदा मेडिसिटी ने उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के साथ मरीजों की संतुष्टि और भरोसे को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। अस्पताल में अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर, उन्नत तकनीक, विशेषज्ञ डॉक्टर और मरीज-केंद्रित नीतियों के माध्यम से उच्च स्तरीय परिणाम सुनिश्चित किए गए। समारोह में यह उल्लेख किया गया कि डॉ. अरोड़ा की दूरदर्शिता और संगठनात्मक क्षमता ने यशोदा समूह को देश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता दिलाई है। अस्पताल समूह अब केवल चिकित्सा सेवाओं का केंद्र नहीं, बल्कि उच्च मानक, नैतिक चिकित्सा प्रथाओं और मरीजों के अनुभव में उत्कृष्टता के लिए एक उदाहरण बन चुका है।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

धुंध-धूल में घुटती देश राजधानी

हर वर्ष इस मौसम में ठंड की आहट के साथ ही दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की आबोहवा इस कदर प्रदूषित हो जाती है कि उसमें सभी लोगों के लिए अपनी सेहत को दुरुस्त रख पाना ही एक बड़ी चुनौती हो जाती है। मगर विडंबना यह है कि हर अगले वर्ष गहराती जा रही इस मुश्किल पर काबू पाने के ठोस उपाय करने के बजाय जैसी बहुस्तरीय लापरवाही देखी जाती है, वह इस समस्या के असर को और ज्यादा घातक बनाती है। होना यह चाहिए कि जब इन दो–तीन महीनों में वायु प्रदूषण की मुश्किल ज्यादा जटिल शक्ल अख्तियार कर लेती है, तो सबसे पहले स्कूल–कालेज या इस तरह की किसी भी जगह पर बच्चों के खेल से जुड़ी गतिविधियों को लेकर एक सुचिंतित नियम–कायदे बनाए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को प्रदूषण की मार से बचाया जा सके। मगर होता है इसके उलट कि कई बार स्कूल–कालेज से लेकर खेल के मैदानों में होने वाली गतिविधियों के लिए जो कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं, उनमें प्रदूषण से पैदा होने वाली मुश्किल के पहलू को नजरअंदाज किया जाता है। जाहिर है, यह शैक्षणिक परिसरों में खेल गतिविधियों के लिए कार्यक्रम का खाका तैयार करने में अदूरदर्शिता का परिचायक है। इसमें यह ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा जाता कि जहरीली हवा के बीच बच्चे किस तरह खेलों या अन्य गतिविधियों में हिस्सा ले सकेंगे और उनकी सेहत पर क्या असर पड़ेगा। इसी के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से कहा कि वह हवा में प्रदूषण के स्तर को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में नवंबर और दिसंबर में प्रस्तावित खेल प्रतियोगिताओं को ह्यसुरक्षित महीनोंह्न तक के लिए स्थगित करने का निर्देश देने पर विचार करे। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्देश के बाद आयोग ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सरकारों को पत्र लिख कर विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए नवंबर और दिसंबर महीने में होने वाली शारीरिक मेहनत और खेल प्रतियोगिताओं को स्थगित करने को कहा है। पिछले कुछ वर्षों से देश के कई हिस्सों में ठंड की शुरूआत के साथ ही बादलों के घनीभूत होने की वजह से वायु प्रदूषण की समस्या जटिल हो जाती है। खासतौर पर दिल्ली सहित समूचे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हालत यह हो जाती है कि लोगों के सामने कहीं भी साफ हवा में सांस ले पाना चुनौती होती है। कई बार ऐसा लगता है मानो दिल्ली किसी गैस चेंबर की तरह हो गई है। इस मसले पर अदालतें कई बार सख्त रुख दर्शा चुकी हैं। मगर अब भी ऐसा लगता है कि संबंधित सरकारी महकमे प्रदूषण की गहराती समस्या के मद्देनजर स्कूल–कालेज आदि जगहों पर खेल प्रतियोगिताओं या बच्चों की शारीरिक मेहनत वाली गतिविधियों का समय टालना जरूरी नहीं समझते। यह स्पष्ट रूप से अदूरदर्शिता है, क्योंकि इन महीनों में दिल्ली–एनसीआर के समूचे इलाके में वायु गुणवत्ता सूचकांक ह्यबहुत खराबह्न की श्रेणी में पहुंच जाता है। इसका नतीजा जगजाहिर रहा है कि गहराते प्रदूषण के बीच आम लोगों और खासतौर पर स्कूली बच्चों और किशोरों को एक तरह की सेहत की जंग लड़नी पड़ती है। यह केवल दिल्ली की समस्या नहीं है। देश के कई दूसरे शहरों में भी इन दिनों वायु गुणवत्ता की स्थिति बुरी तरह प्रभावित होती है। इसलिए दिल्ली के अलावा वायु गुणवत्ता सूचकांक के मामले में ह्यगंभीरह्न श्रेणी में पहुंचे सभी शहरों में प्रदूषण से उपजी स्थिति से निपटने को लेकर एक व्यापक और ठोस नीति की जरूरत है।

भारत को चिंतित करता बांग्लादेश

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्राइम्स ट्रिब्यूनल की स्थापना के समय यह कल्पना भी नहीं की होगी कि 15 साल बाद यही अदालत उन्हें मौत की सजा सुनाएगी। प्रधानमंत्री हसीना ने इस ट्रिब्यूनल की स्थापना 1971 मुक्ति संग्राम के दोषियों को सजा दिलाने के लिए की थी ताकि मानवता के खिलाफ हुए जघन्य अपराधों के दोषियों को उनकी करतूतों की सजा दिलाई जा सके। हाल में इसी ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना को मृत्युदंड की सजा सुनाई। उनके खिलाफ बांग्लादेश में कई मामले दर्ज हैं। इनमें से अधिकांश मामले जुलाई 2024 में हुए विरोध–प्रदर्शनों से जुड़े हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय ने हसीना को सुनाई गई मृत्यु की सजा को गलत ठहराया है। हालांकि उसने यह भी कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को दोषी करार दिया जाना पिछले साल विरोध–प्रदर्शनों के दमन के दौरान हुए गंभीर उल्लंघनों के पीड़ितों के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। उल्लेखनीय है कि उच्चायुक्त कार्यालय ने इस वर्ष फरवरी में अपनी फैक्ट फाइंडिंग रिपोर्ट में पूर्व प्रधानमंत्री हसीना की जुलाई–अगस्त 2024 में की गई पुलिस कार्रवाई में संलिप्तता भी पाई थी। चूंकि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना इस समय भारत में हैं और ट्रिब्यूनल में चली कार्यवाही मौजूदा सरकार की मनमर्जी से हुई है, इसलिए उनकी गैरमौजूदगी में इस तरह के निर्णय का आना ट्रिब्यूनल की स्वतंत्रता पर सवाल उठाता है और राजनीति से प्रेरित जान पड़ता है। इस निर्णय से यह भी करीब–करीब साफ हो गया कि अब शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी असंभव है। अंतरिम शासन के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की सरकार ने पहले ही शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी पर प्रतिबंध लगा दिया है और अब हसीना को मृत्युदंड का निर्णय उनकी वापसी की बची–खुची उम्मीदों को भी खत्म करने वाला है। इसके साथ ही बांग्लादेश के भविष्य को लेकर अब नई बहस शुरू हो गई है। एक तो यह कि ऐसा निर्णय कितना न्यायसंगत है और दूसरी यह कि हसीना के प्रत्यर्पण से जुड़ी बांग्लादेश की मांग पर भारत को क्या रुख–रवैया अपनाना चाहिए? इसके कहीं कोई आसार नहीं कि भारत शेख हसीना को बांग्लादेश को सौंपेगा। बांग्लादेश को इसकी अपेक्षा भी नहीं करनी चाहिए, लेकिन यह भी तय है कि वह उन्हें अपने हवाले करने की मांग करता रहेगा। इस सिलसिले में इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि शेख हसीना को आनन–फानन ढाका से दिल्ली उसी सेना ने रवाना किया था, जिसके समर्थन से मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार कायम हुई। आज बांग्लादेश के माहौल पर गौर करें तो यह इस देश के इतिहास का एक दूसरा अध्याय है। पहला अध्याय 1971 के स्वतंत्रता आंदोलन, उसके पाकिस्तान से अलग होने और भारत के अथक सहयोग से उपजे परिदृश्य का है। दूसरा अध्याय जुलाई 2024 के आंदोलन से उपजा, जिसका उद्देश्य बांग्लादेश की राजनीतिक दशा–दिशा को बदलना था। बिना अवामी लीग और शेख हसीना के बांग्लादेश की परिकल्पना करना अभी मुश्किल है, लेकिन इतिहास गवाह है कि उनकी अनुपस्थिति या कमजोर होने की स्थिति में बांग्लादेश में कुछ खास ताकतें मजबूत होती गईं। इन दिनों भी ऐसी ही कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हो रही हैं और इनमें से अधिकांश पाकिस्तान की हमदर्द हैं। उसी पाकिस्तान की, जिसने बांग्लादेश निर्माण से पहले यहां के लोगों को भयंकर यातनाएं दीं। अब जब बांग्लादेश की जनता का एक बड़ा हिस्सा अपने इतिहास को नए सिरे से लिखने पर आमादा हो और अंतरिम सरकार भी उसका साथ दे रही हो तो फिर इस पहलू को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि 1971 के इतिहास को शेख हसीना द्वारा जिस प्रकार पेश किया किया, वह भी कहीं न कहीं उनके खिलाफ गया।

आतंकवादी गतिविधियों का माध्यम बनते टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म

सहज संवाद और एक दूसरे को जोड़ने का प्रमुख माध्यम सोशल मीडिया आज आतंकवादी गतिविधियों का भी सुरक्षित एवं गोपनीय माध्यम बनता जा रहा है। हालिया दिल्ली ब्लास्ट में लिप्त व्हाइट कॉलर आतंकवादियों के परस्पर संवाद का माध्यम टेलीग्राम सोशल मीडिया प्लेटफार्म पाया गया है। सोशल मीडिया के दुरुपयोग की यह अति अवस्था है। न्यूयार्क टाइम्स ने एक अध्ययन में 3.2 मिलियन संवादों का विश्लेषण किया है। वहीं जानकारों के अनुसार टेलीग्राम सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ही 1500 से अधिक नस्लवादी चैनल सक्रिय है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इतनी अधिक संख्या में असामाजिक गतिविधियों में लिप्त चैनलों का सक्रिय होना गंभीर चिंता का विषय बन जाता है। मानवता के लिए सबसे सम्माननीय डाक्टरी का पेशा दिल्ली ब्लॉस्ट और इसके बाद दिन प्रतिदिन खुलती परतों से बेनकाब होता जा रहा है। डाक्टर जिसका जीवन बचाने का दायित्व है वहीं लोगों की मौत का सौदागर बनता है तो यह मानवता के लिए शर्मनाक स्थिति है। मजे की बात यह है कि शिक्षा का केन्द्र विश्वविद्यालय इसका केन्द्र बना हुआ पाया गया। हांलांकि फरीदाबाद के अलफलाह विश्वविद्यालय ने अपने आपकों आतंकवादी गतिविधियों से दूर और साफ-सुथरा होने का दावा किया है पर यह महज लिपापोती से अधिक कुछ ज्यादा नहीं लगती। मजे की बात यह है कि जब डॉक्टर बेनकाब हो रहे हैं और इनपर कार्रवाई की बात हो रही है तो कुछ राजनीतिक दल और संगठन इनके पक्ष में दूसरी तरह की भाषा बोलने लगे हैं। समझ से परे यह बात है कि ऐसे संगठनों का क्या दायित्व उन बेगुनाह लोगों और परिवारों के प्रति नहीं होता क्या जो इन आतंकी गतिविधियों में अकारण मौत के आगोश

में चले जाते हैं तो बहुत से लोग घायल हो जाते हैं। इन प्रभावित लोगों व इनके परिवारों के प्रति भी किसी की जबावदेही होनी चाहिए। अच्छा तो यह हो कि दूसरी तरह की भाषा बोलने वाले प्रभावित लोगों के पक्ष में भी आगे आएं। आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े लोगों के साझा संवाद का माध्यम टेलीग्राम प्लेटफार्म पाया गया है।

सोशल मीडिया की जहां तक बात है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि आज सोशल मीडिया प्लेटफार्म लोगों की पसंद, सूचनाओं को साझा करने और एक दूसरे तक अपनी भावनाएं पहुंचाने का माध्यम बन गए हैं। सवाल इनके दुरुपयोग और इन पर आवष्यक अंकुश की आवश्यकता को लेकर है। लाख दावें करें पर यह प्लेटफार्म असामाजिक गतिविधियों व भ्रामक समाचारों पर तत्काल कार्रवाई करने में विफल ही देखें गए हैं। सोशल मीडिया के संदेशों की प्रतिक्रिया स्वरुप लोगों के जुटजाने और भीड़ के आक्रोशित हो जाना आज आम हो गया है। यही कारण है कि कानून व्यवस्था के जिम्मेदार सबसे पहले उस क्षेत्र में इंटरनेट सेवाओं को स्थगित करना ही श्रेयस्कर समण्ते हैं। यह भी सही है कि देश में अधिकांश लोगों से जुड़े सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का संचालन विदेशी धरती पर हो रहा है। इसे दुर्भाग्यजनक ही माना जाएगा कि लाख प्रयासों के बावजूद देश में बने सोशल मीडिया प्लेटफार्म अपनी पहचान बनाने व अधिकांश देशवासियों के चहेते बनने में सफल नहीं हो पाए। आज फेसबुक, इंस्टाग्राम, लिंकड्विन, यूट्यूब, व्हाट्सएप, क्रास या ट्वीटर, ठिकटॉक, स्नेपचेट, पिंटरेस्ट, वीचैट, रेडिट, टेलीग्राम आदि आदि प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफार्म की संचालन की ड़ोर विदेशियों के हाथ ही है। हांलाकि हमारे देश में यूट्यूब, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, फेसबुक लिंक्डइन आदि सोशल प्लेटफार्म अधिक चलन में है तो वाट्सएप और इंस्टा की पहुंच आम लोगों तक है। दुनियाभर में 5 अरब 41 लाख से अधिक लोग सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग कर रहे हैं।

जहां तक टेलीग्राम प्लेटफार्म का सवाल है यह सर्वविदित है कि आतंकवादी गतिविधियों का यह केन्द्र रहा है। रुस यूक्रेन युद्ध में जेलेन्स्की द्वारा इस प्लेटफार्म का उपयोग किया गया है तो हांगकांग-बेलारुस द्वारा भी इसका उपयोग इसी तरह से किया जाता रहा है। दरअसल टेलीग्राम को आजादी की आवाज कहा जाता है। रुस के दो भाईयों पॉवेल ड्यूरोव और निकोलोई ड्यूरोव द्वारा तैयार ओर संचालित इस प्लेटफार्म का दावा है कि वह डाटा शेयर नहीं करता। इस पर प्रसारित संदेशों को कोई तीसरा नहीं देख या पढ़ नहीं सकता। और यही कारण है कि सुरक्षित व गोपनीयता के दावें के चलते इस तरह की गतिविधियों को संचालित करने वाले ग्रुप इस प्लेटफार्म पर सक्रिय है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सदस्य बनाने, हिंसा फैलाने, पैसा जुटाने, नशीली दवा, हथियार जुटाने, नफरत के संदेश फैलाने आदि आदि असाामाजिक गतिविधियों में प्लेटफार्म का उपयोग किया जाता है। जहां तक टेलीग्राम सोशल मीडिया प्लेटफार्म की बात है तो केवल 60 कार्मिकों द्वारा संचालित इस प्लेटफार्म पर इस तरह की गतिविधियों की मोनेटरिंग करने, हटाने, कार्रवाई करने की आशा करना बेमानी होगा।

ऐसे में एक बार फिर यक्ष प्रश्न यही उभरता है कि जब सोशल मीडिया प्लेटफार्म आज लोगों की जरुरत बन चुका है तो फिर इन प्लेटफार्मों के संचालकों के लिए एक आदर्श एसओपी जारी करने के साथ ही इन पर असामाजिक, समाज विरोधी, आतंकवादी, भ्रम फैलाने वाली या इसी तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाये जाने की आवश्यकता हो गई है। सवाल देश की सुरक्षा और आंतरिक शांति और सदभावना का है तो फिर सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को भी समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का समझना होगा। सरकार को भी इस तरह की गतिविधियों में लिप्त प्लेटफार्मों पर रोक या सख्त कार्रवाई करने में किसी तरह की देरी व संकोच नहीं किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफार्म अपनी मूल भूमिका संवाद, साझा जानकारी, स्वस्थ्य मनोरंजन और एक दूसरे को जोड़ने जैसे मूल्यों को लेकर आगे आना होगा।

टेलीग्राम ने इस संबंध में एक आधिकारिक बयान जारी किया है जो इस प्रकार हैः टेलीग्राम की सेवा शर्तों के अनुसार हिंसा और आतंकवादी प्रचार के आह्वान स्पष्ट रूप से निषिद्ध हैं और पाए जाने पर उन्हें हटा दिया जाता है। टेलीग्राम अपने प्लेटफॉर्म के सार्वजनिक हिस्सों की सक्रिय रूप से निगरानी करता है और प्रतिदिन लाखों हानिकारक सामग्री को हटाने के लिए रिपोर्ट स्वीकार करता है। अपने सक्रिय मॉडरेशन के पूरक के रूप में, टेलीग्राम ने ग्लोबल सेंटर फॉर कॉम्बैटिंग एक्सट्रीमिस्ट आइडियोलॉजीज (एटिडल) के साथ साझेदारी की है। टेलीग्राम भारत के आईटी अधिनियम 2021 का अनुपालन करता है।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ, वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते, तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके, ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा, बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया, और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते, यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात् देखा गाया, भगवान राम का दिव्य जीवन)

भाग 43

गतांक से आगे ....

...और संग्राम होते हुए, महाराज! उस समय रथ की धुरी दूरी हो गई थी, मैंने अपने हाथो की ऊंगली को धुरी के स्थान में लगाया था, जहाँ से वह चक्र चलता है, तो उस समय कौशल्या जी को हम विजय करके और अयोध्या में ले आए। उनसे आपका यह संस्कार हुआ है तो उस समय महाराज! आप ने यह कहा था कि हे कैकेयी! तुम्हारे दो वचन हैं, इनको जब चाहोगी, मैं तुम्हें प्रदान करूंगा। मैं वे दो वचन चाहती हूँ, मुझे वे दो वचन दे दीजिए, अब मैं भगवन! इन दो वचनों को आप से प्राप्त करना चाहती हूँ। राजा दशरथ ने कहा-देवी! तुम वचनों को स्वीकार करो, देवी! तुम उच्चारण करोगी, तो मैं भी स्वीकार करूंगा, तुम भी स्वीकार करो, उन्होंने कहा-हे भगवन! आप ही स्वीकार करो, उन्होंने कहा बोलो क्या चाहती हो? उन्होंने कहा भगवन! मैं पहले वचन में तो यह चाहती हूँ, कि मेरा जो पुत्र भरत है, उसको अयोध्या का धिराज बनाया जाए। दशरथ ने कहा बहुत प्रिय। परन्तु दूसरे वचन में यह है कि राम को चौदह वर्ष का वन होना चाहिए। जब राम के वन की चर्चाएं आयी, तो राजा दशरथ पृथ्वी में गिर गएं और यह कहा हे देवी! राम ने तेरा कौन-सा पापाचर किया है ?जो राम को तुम वन दे रही हो वे मूर्छित होकर पृथ्वी में ओत-प्रोत हो गएं। उनके पगों की आभा न रही, । वह दशरथ हाहाकार करते रहे, क्रन्दन करते रहे परन्तु कैकेयी ने उनके वाक को स्वीकार नहीं किया, तभी राम को यह प्रतीत हो गया था, कि माता मुझे वन देना चाहती है, मध्य रात्रि हो गई, मध्य रात्रि में ही राम कैकेयी के द्वार पर

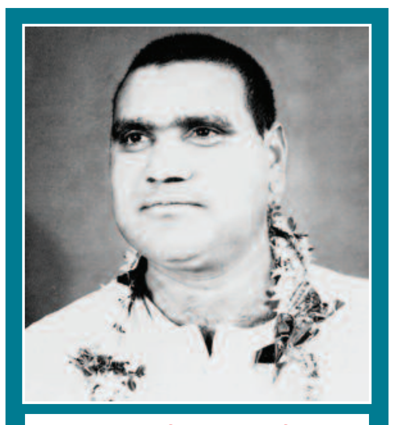

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

पंहुचे, चरणों को स्पर्श करते हुए बोले कि मातेश्वरी! आप की आज्ञा का मुझे पालन करना है। क्योंकि मेरा अन्तरात्मा इस राज्याभिषेक को चाहता नहीं, क्योंकि मेरा जीवन अब तक ऋषि-मुनियों की शरण में रहा है और मैं राष्ट्र को ले करके ऐश्वर्य में परिणत हो जाता, मैं भयंकर वनों में ऋषि-मुनियों की आभा में रहना चाहता था, यह बड़ी आपकी अनुपम कृपा हुई, मुझे आज्ञा दीजिए, मैं प्रातः काल में जाने के लिए तत्पर हूँ।

कैकेयी ने कहा प्रिय राम! तुम वन चले जाओ। सब राष्ट्रीय वस्त्रों को उन्होंने माता के समीप विद्यमान करते हुए, प्रातःकाल होते ही, दशरथ भी प्राणान्त होने के लिए तत्पर होने लगे, श्वासों की गति धीमी हो गई, राम से लक्ष्मण ने कहा-भगवन! मैं भी आपके समीप रहना चाहता हूँ, बहुत विचार-विनिमय होने के पश्चात राम ने कहा-तुम माता-पिता की सेवा करो, उन्होंने कहा-नहीं, भगवन! मैं आपकी सेवा करने के लिए तत्पर हूँ। वह अपनी माता सुमित्रा और पत्नी उर्मिला के द्वार पर पंहुचे, उन्होंने कहा-मैं राम की सेवा करना चाहता हूँ। मैं विधाता के साथ भंयकर वनों में उनको पितर स्वीकार करके, सीता को माता स्वीकार करके, उनका सेवक बन करके जा रहा हूँ। माता सुमित्रा ने कहा-बहुत प्रिय है लक्ष्मण ने उर्मिला से कहा-देवी! मेरी इच्छा यह है, कि तुम माता सीता की सेवा करो और मैं राम की सेवा करूंगा? उस समय उर्मिला ने बहुत ऊर्ध्वा में शब्द उच्चारण किए, उन्होंने कहा-हे भगवन! मैं यदि आपके सहित भयंकर वनों में जाऊंगी, तो तुम राम के सेवक नहीं रहोगे, और माता सीता के भी सेवक नहीं रहोगे, उन्होंने कहा मैं यहाँ तपस्वी बनूंगी, तो वह तपस्या में परिणत हो गई। वह तपस्या करने लगी

राम ने सीता से भी कहा-कि तुम भी यही रहो, परन्तु सीता ने स्वीकार नहीं किया, फिर राम, लक्ष्मण और सीता ने माता की आज्ञा पा करके वे भयंकर वनों को चले गएं, प्रवचन सन्दर्भ 20-05-1980

क्रमशः ......

'क्यों पढ़े कोई हिंदी, जब हिंदी पढ़कर भी अंतिम मान अंग्रेजी को मिले?'

एक विद्रोही हिंदीप्रेमी की पीड़ा और प्रस्तावना

अविरल अभिलाष

भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है, एक बहुध्वन्य संस्कृति, जिसमें हर प्रांत की अपनी लय है, अपनी वाणी है, अपनी आत्मा है। इस विविधता में एक ऐसा स्वप्न बुना गया था – कि हिंदी वह सेतु होगी, जो उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम को जोड़ने का कार्य करेगी। पर यह सपना धीरे-धीरे एक विडंबना में बदलता चला गया – हिंदी को थोपने का आरोप लगने लगा और दूसरी ओर हिंदी को अपनाने वाली व्यवस्था खुद ही उसे दरकिनार करने लगी।

मैं हिंदी का शोधार्थी हूँ। मेरा विश्वास है कि हिंदी केवल भाषा नहीं, एक विचार है, एक संस्कृति है। लेकिन आज जब मैं हिंदी के अस्तित्व को अंग्रेजी की छाया में दबा देखता हूँ, तो मेरा प्रेम एक प्रश्न बनकर उभरता है –

* 'जब हमारी ही सरकार हिंदी को उसका योग्य स्थान नहीं देती, तो तमिलनाडु, महाराष्ट्र या कर्नाटक जैसे राज्य क्यों पढ़े हिंदी? और कोई क्यों पढ़े हिंदी?'

हिंदी – अपने ही देश में बेगानी

यह सबसे बड़ी त्रासदी है कि जिस भाषा को 'राजभाषा' कहा गया, वह सरकारी दफ्तरों, मंत्रालयों, न्यायालयों, विश्वविद्यालयों और प्रतियोगी परीक्षाओं में दूसरे दर्जे की 'अनुवादित भाषा' बनकर रह गई है।

UPSC, NEET, NET, JEE जैसी परीक्षाओं में साफ लिखा होता हैः

* 'यदि हिंदी और अंग्रेजी संस्करण में कोई मतभेद हो तो अंग्रेजी को ही मान्य माना जाएगा।'

क्या यह कथन हिंदी भाषा के अस्तित्व पर एक विधायी तमाचा नहीं है?

जब देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाएँ खुद कहें कि हिंदी में गलती हो सकती है, लेकिन अंग्रेजी अंतिम सत्य है –

तो कोई क्यों पढ़े हिंदी?

सरकारी दस्तावेजों से हिंदी की अनुपस्थिति

आप किसी गुजरात निवासी का आधार कार्ड देखिए –

सब कुछ गुजराती और अंग्रेजी में लिखा होता है, हिंदी में नहीं।

क्यों?

क्या वह नागरिक भारतीय नहीं है?

क्या हिंदी केवल उत्तर भारत की भाषा है?

क्या राजभाषा होने के बाद भी हिंदी का इतना ही स्थान है?

'हिंदी थोपने' का विरोध नहीं, 'हिंदी दिखावे' का विरोध है

तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक जैसे राज्यों में हिंदी का विरोध अक्सर 'हिंदी थोपने' के नाम पर होता है लेकिन अगर भीतर झाँकें तो वह विरोध हिंदी के वर्चस्व का नहीं, बल्कि हिंदी के दिखावटी प्रयोग का विरोध है।

क्योंकि ये राज्य देख रहे हैं कि –

हिंदी केवल भाषणों की भाषा है, नीतियों की नहीं।

हिंदी केवल बोड्र्स और घोषणाओं की भाषा है, कार्यवाही की नहीं।

हिंदी केवल आम आदमी की भाषा है, सत्ता के गलियारों की नहीं।

जब संसद के दस्तावेज अंग्रेजी में आते हैं, जब सुप्रीम कोर्ट के फैसले अंग्रेजी में होते हैं, जब नीति आयोग की रिपोर्ट अंग्रेजी

में प्रकाशित होती है –

तो यह पूछना अनुचित नहीं कि ₹हिंदी आखिर है कहाँ ?₹

भाषा का न्याय कहाँ है?

भारत यदि वाकई लोकतांत्रिक राष्ट्र है तो हर नागरिक को यह अधिकार मिलना चाहिए कि वह अपनी भाषा में

परीक्षा दे सके,

न्याय पा सके,

नीति को समझ सके,

और शासन से संवाद कर सके।

लेकिन ऐसा नहीं है। हिंदी भाषी छात्र आज भी परीक्षाओं में गलत अनुवाद से पीड़ित हैं।

कई प्रश्नों में तथ्य और भाषा दोनों त्रुटिपूर्ण होते हैं, पर अंतिम मान्य संस्करण अंग्रेजी होता है।

तो इस देश का एक हिंदी छात्र दोहरी बाधा में फँसा होता है–

एक बार अपने विषय को समझने में, दूसरी बार उसे अंग्रेजी के अनुसार सही साबित करने में।

तो फिर क्यों पढ़े कोई हिंदी?

अगर हिंदी में पढ़ने वाला छात्र वढरउ में पिछड़ जाए,

अगर हिंदी में शोध करने वाला विद्यार्थी अंग्रेजी शोधपत्र न होने से कम आँका जाए,

अगर हिंदी में सेवा देने वाला शिक्षक अंग्रेजी माध्यम के संस्थान में जगह न पा सके,

तो फिर क्यों पढ़े कोई हिंदी?

क्या केवल भावनाओं से भाषा जीवित रह सकती है?

या फिर उसे संस्थागत समर्थन, न्यायपूर्ण नीति और व्यावहारिक सम्मान भी चाहिए?

व्यवस्था से मेरा सवाल

जब प्रधानमंत्री अपने भाषण हिंदी में देते हैं, तो संसद की कार्यवाही अंग्रेजी में क्यों?

जब हम 'हिंदी दिवस' मनाते हैं, तो सरकारी पत्राचार/सूचनाएं अंग्रेजी में क्यों?

जब सैकड़ों छात्र हिंदी माध्यम से पढ़ते हैं, तो वढरउ जैसे अनेक परीक्षाओं में अधिकतर सवालों की मूल भावना अंग्रेजी में क्यों तैयार होती है?

जब संविधान में लिखा है कि हिंदी राजभाषा है, तो नीतियाँ अंग्रेजी की दासी क्यों बनी रहती हैं?

समाधान की दिशा में स्पष्ट प्रस्ताव

- हर परीक्षा में हिंदी/स्थानीय भाषा को मूल भाषा के रूप में रखा जाए, केवल अनुवाद नहीं।
- प्रश्नों की तैयारी हिंदी और स्थानीय भाषा(अर्थात् जिस राज्य का छात्र हो उसकी भाषा) में हो।
- सभी केंद्रीय कार्यालयों में हिंदी और स्थानीय भाषा (राज्य विशेष की) – इन दोनों में कार्यवाही अनिवार्य हो।
- सरकारी दस्तावेज (जैसे आधार, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट) हिंदी और राज्य की स्थानीय भाषा में हों – अंग्रेजी ऐच्छिक हो, अनिवार्य नहीं।
- कानून, तकनीकी, विज्ञान और प्रशासनिक लेखन में हिंदी और राज्य विशेष की स्थानीय भाषा को वैधानिक और व्यावहारिक दर्जा दिया जाए।
- संसद और न्यायालयों में हिंदी अनुवाद को समान अधिकार मिले – और गलत अनुवाद होने पर दंडात्मक सुधार की व्यवस्था हो।

उपसंहारः हिंदी प्रेम, लेकिन आँखें खोलकर

हमें हिंदी से प्रेम है – लेकिन आँखें मूँदकर नहीं।

हमें हिंदी चाहिए – लेकिन दया के आधार पर नहीं, अधिकार के आधार पर।

हमें हिंदी थोपनी नहीं, लेकिन हिंदी को उसका जायज स्थान तो दिलाना ही होगा।

यदि व्यवस्था में अंग्रेजी को ही अंतिम सत्य मान लिया गया है

तो फिर हिंदी एक खोखली सजावट रह जाएगी।

और तब मैं यह कहने में संकोच नहीं करूंगा –

* 'इस देश में हिंदी पढ़ने का कोई औचित्य नहीं बचा, जब तक व्यवस्था इसे केवल भाषणों तक सीमित रखे।'

लेखकः शोधार्थी, दिल्ली विश्वविद्यालय हैं।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।

सम्पादकः चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइलः 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

बागपत में आयोजित तीन दिवसीय खेल महोत्सव का समापन

युवा शक्ति का उत्सव बना सांसद खेल महोत्सव

विश्व बंधु शास्त्री

बागपत। तीन दिनों से धूल उड़ते मैदान, जोरदार तालियाँ, खेल प्रशंसकों की भीड़ और जीत हार से ऊपर उठी खेल भावना का शुक्रवार को सुंदर और यादगार समापन हुआ। बागपत को खेलों के राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में यह खेल महोत्सव महत्वपूर्ण साबित हुआ। बच्चों, युवाओं से लेकर महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगों तक कई हजार लोगों ने खेलों के इस महाकुंभ में हिस्सा लेकर फिट इंडिया की प्रतिबद्धता दोहराई।

बड़ौत के जनता वैदिक डिग्री कॉलेज में तीन दिवसीय सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन 19 से 21 नवंबर तक हुआ, जिसमें जनपद के गांव गांव से निकलकर आगे आए कई हजार युवा खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया और खूब पुरस्कार जीते।

जनता वैदिक कॉलेज का मैदान तीनों दिन एक नए उत्साह से भरा नजर आया। कई अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड प्राप्त खिलाड़ियों एवं यूथ आइकॉन की उपस्थिति ने खेल महोत्सव में नया उत्साह जोड़ दिया। जब इन खिलाड़ियों ने ग्रामीण क्षेत्रों से आए बच्चों की पीठ थपथपाई, तो उन बच्चों की आँखों में एक चमक दिखी जैसे उनके सपने उनसे कह रहे हों कि अगला नंबर तुम्हारा है।

महोत्सव के तीसरे दिन मैदान पर हर भावना दिखी। विजेताओं की मुस्कान उनके लंबे समय से किए गए कठिन परिश्रम की गवाही दे रही थी। उपविजेताओं की आँखों में अगली बार और बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प स्पष्ट दिखाई दे रहा था। यह सिर्फ जीत या हार नहीं बल्कि एक सीख थी कि जो मैदान में उतरता है, वही जीत की दिशा में बढ़ता है, चाहे आज परिणाम कुछ भी क्यों न हो।

गणमान्य अतिथियों में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, सांसद डॉ राजकुमार सांगवान, विधायक योगेश कुमार शामिल हुए। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। वेदान्तिक इंटरनेशनल स्कूल की छात्र छात्राओं ने स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। गणतंत्र दिवस की परेड मार्च से प्रेरित नई पहल करते हुए जम्बल पास्ट का आयोजन हुआ जिसमें क्रिस्टु ज्योति कॉन्वेंट एवं गोल्डन गेट स्कूल, चार एनसीसी यूनिट, चार भारत स्काउट एंड गाइड दल सहित विभिन्न विद्यालयों के शारीरिक शिक्षा अध्यापकगण शामिल हुए। कदम से कदम मिलाकर चलते प्रतिभागियों ने संदेश दिया कि फिटनेस की चेतना हम सभी के सामूहिक प्रयासों पर निर्भर है। अतिथियों ने पास्ट मार्च की सलामी ली। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बावली की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। खेल गतिविधियों का शुभारंभ वरिष्ठ नागरिकों की 100 मीटर दौड़ से हुआ जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया जिसमें शामिल हुए प्रतिभागियों ने संदेश दिया कि फिटनेस अपनाने की कोई उम्र सीमा नहीं। जैसी ही दौड़ शुरू हुई, एक नई सोच भी तेजी से लोगों के बीच जागृत हुई कि मेहनत किसी उम्र की मोहताज नहीं और कुछ नया करने का सबसे सही समय अभी है। दौड़ लगाकर फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज का संदेश दिया। वरिष्ठ नागरिकों को ह्लबुजुर्ग युवा शक्तिह्व संबोधित कर सम्मान दिया गया। सभी को स्वर्ण पदक देकर प्रोत्साहित किया। इस बुजुर्ग युवा शक्ति ने रस्सा खींच में भी अपनी मजबूती का प्रदर्शन किया और साबित किया कि उम्र से हौसले को नहीं मापा जाता।

वहीं मातृ शक्ति महिलाओं की 100 मीटर दौड़ भी खूब सराहनीय पहल साबित हुई जिसे देख कार्यक्रम स्थल पर बच्चों के साथ आई महिलाओं ने भी उत्साह के साथ मौके पर शामिल होकर यह मौका नहीं छोड़ा और आगे बढ़कर दौड़ लगाई। वहीं रस्सा खींच में भी नारी शक्ति ने खूब दमखम दिखाया।

दिव्यांगों को भी व्हीलचेयर दौड़ में शामिल होने का अवसर मिला और झंडा लगाकर व्हीलचेयर एवं साइकिल पर शामिल दिव्यांगों की दौड़ ने एक नई प्रेरणा का संचार किया।

मुख्य अतिथि दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने युवा संबोधन में कहा कि भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के विकास के लिए दिल्ली सरकार भी प्रतिबद्ध है और बागपत का देश की राजधानी से जुड़ाव जोड़ने हेतु चार नई डीटीसी बसों की सौगात दी। देश की राजधानी में हो रहे कार्यों से अवगत कराया कि यमुना नदी को स्वच्छ निर्माण बनाने के लिए और यमुना विहार पुश्ता के निकट जनवरी से दो शिप प्रत्येक में लोगों को यात्रा एवं खानपान एवं अन्य रोमांचक गतिविधियों से जुड़ने की व्यवस्था की जा रही है।

सांसद डॉ राजकुमार सांगवान ने धन्यवाद ज्ञापन में कहा कि खिलाड़ियों की बड़ी भागीदारी ने इसे खेलों का महाकुंभ बनाया। अगले तीन वर्षों में इससे बड़े ही खेलों के महाकुंभ आयोजित होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के विजन के अनुरूप आयोजित खेलों की सफलता पर सभी के जज्बे को सराहा। सभी महिलाओं, दिव्यांगों, वरिष्ठ नागरिकों के हौसलों को प्रोत्साहित करते हुए सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की। सभी प्रशासनिक अधिकारियों को सफल आयोजन पर बधाई दी। सभी प्रतिभागी नौजवान खिलाड़ियों को एशियाड, ओलिंपिक, कॉमनवेल्थ, वर्ल्ड जेम्स में जनपद का नाम रोशन करने का आह्वान किया। चौधरी जयंत के प्रति आभार व्यक्त किया कि उनकी सांसद निधि से खिलाड़ियों के भविष्य को संवारने की घोषणा को रेखांकित किया। सभी गांव में डिजिटल संसाधनों से युक्त आधुनिक पुस्तकालय और खेल मैदान बनाए जाने की घोषणा की। जनता वैदिक डिग्री कॉलेज के खेल मैदान को आधुनिक स्वरूप में विकसित किए जाने की घोषणा की।

मंच संचालन श्री नेहरू इंटर कॉलेज पिलाना के प्रधानाचार्य डॉ सत्यवीर सिंह, प्रोफेसर योगेश कुमार एवं शिक्षिका नीतू कुमरा ने किया।

महोत्सव को सफल बनाने के लिए सांसद डॉ राजकुमार सांगवान, रोहित धनकड़, प्रो योगेश कुमार, विशाल राय, सुनील वशिष्ठ, विजय कुमार सिंह, यूथ अवॉर्डी अमन कुमार, राजीव कुमार, गौरव राठी, सोनू धनकड़ आदि का योगदान रहा। विभिन्न खेलों के कोच धर्मेंद्र खोखर, विवेक मलिक, सुरेश तोमर, सचिन दांगी, जितेंद्र राणा, रघुवीर आदि का सहयोग रहा। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों में सीडीओ नीरज कुमार श्रीवास्तव, परियोजना निदेशक राहुल वर्मा, जिला क्रीड़ाधिकारी अमित कुमार, जिला सूचना अधिकारी राहुल भाटी, जिला युवा कल्याण अधिकारी वैश्विक डबास, जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह आदि का भी खेल महोत्सव को सफल बनाने में योगदान रहा।

अगले तीन साल में पूर्ण रूप से स्वच्छ होगी यमुना नदी: प्रवेश वर्मा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। उत्तर प्रदेश में बागपत के बड़ौत नगर में आयोजित तीन दिवसीय सांसद खेल महोत्सव के समापन पर पहुंचे दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि उनकी सरकार अगले 3 साल में यमुना को पूरी तरह से साफ करा देगी। उन्होंने कहा पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल दिल्ली में 11 साल शासन करने के बाद यमुना नदी की सफाई की बात करके अपनी नाकामी को बता रहे हैं।

दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा शुक्रवार को यहाँ बड़ौत के जनता वैदिक डिग्री कॉलेज के खेल परिसर में चल रहे तीन दिवसीय सांसद खेल महोत्सव के समापन पर विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण कर रहे थे। प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण करने के बाद उन्होंने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल 11 साल सत्ता में रहने के बाद भी अब विपक्ष में बैठकर यमुना नदी की सफाई की बात करते हैं, जबकि ऐसा कहकर वे अपनी नाकामी को ही बता रहे हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले 3 साल के अंदर यमुना नदी को पूर्ण रूप से स्वच्छ कर दिया जाएगा। उन्होंने सांसद खेल महोत्सव को युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा अवसर बताते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभा को आगे लाया जा सकता है। ऐसे महोत्सव में भाग लेकर खिलाड़ी आगे बढ़कर राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा को दिखा सकते हैं। दिल्ली ब्लास्ट पर सवाल पूछने पर कैबिनेट मंत्री ने चुप्पी साधते हुए कुछ भी बोलने से परहेज किया।

गन्ना विभाग में जेम पोर्टल के सफल संचालन हेतु वृहद् प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डिजिटल इंडिया एवं ई-गवर्नेंस की अपेक्षा के अनुपालन में चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती वीना कुमारी की अध्यक्षता में प्रदेश की सभी सहकारी व निगम चीनी मिलों के महा प्रबंधकों (जीएम), उप गन्ना आयुक्तों, जिला गन्ना अधिकारियों एवं विभाग के सभी कार्यालयों के कार्मिकों के साथ गन्ना किसान संस्थान सभागार में जेम पोर्टल पर खरीद-बिक्री एवं सेवा प्रदाता बिषय पर वृहद् प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया हैं कि विभाग में सभी प्रकार की सामग्री का क्रय एवं सेवा प्रदाता कार्य केवल जेम पोर्टल के माध्यम से ही किये जायेगें। यह निर्देश पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं दक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जारी किया गया है।

अपर मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया है कि जेम पोर्टल का उपयोग अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए कि विभागीय खरीद प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता न हो तथा सरकारी संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो सके। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से इस निर्देश का पालन करने एवं समय-समय पर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए हैं। यह कदम चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास को मजबूत बनाने के लिए उठाया गया है। विभाग ने सभी सहकारी व निगम इकाइयों के साथ-साथ गन्ना समितियों, परिषदों, गन्ना किसान संस्थान, गन्ना शोध परिषद, गन्ना संघ एवं क्षेत्रीय अधिकारियों को जेम पोर्टल पर पंजीकरण एवं प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के भी विशेष निर्देश दिए हैं।

उत्तर प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग की गन्ना आयुक्त ने प्रदेश की सहकारी चीनी मिलों, चीनी मिल निगम के जीएम, उप गन्ना आयुक्तों, जिला गन्ना अधिकारियों एवं अन्य कार्यालयों को निर्देश दिए हैं कि चीनी मिलों के मरम्मत कार्य व पार्ट्स की खरीद/आपूर्ति, आउटसोर्सिंग, इत्यादि कार्य जेम पोर्टल के माध्यम से करायें जाने से धन की बचत होगी और कार्य में सुगमता एवं पारदर्शिता भी आयेगी।

बागपत की वीरांगना बेटी नीरा आर्य को अंडमान-निकोबार प्रशासन से मिला सम्मान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। उत्तर प्रदेश में बागपत के खेकड़ा कस्बे में जन्मी वीरांगना बेटी व आजाद हिंद फौज की वीर सेनानी नीरा आर्य की गाथा को अंडमान-निकोबार प्रशासन ने ऐतिहासिक सम्मान दिया है। उनकी आत्मकथा 'मेरा जीवन संघर्ष' को अब वहां के सभी स्कूल पुस्तकालयों में शामिल किया गया है, ताकि छात्र-छात्राएं देश के लिए बलिदान देने वाली इस वीरांगना के संघर्षपूर्ण इतिहास से परिचित हो सकें।

इतिहासकारों की माने तो महान

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नीरा आर्य ने काला पानी जेल में अमानवीय यातनाएं झेलने के बावजूद देश के प्रति अपना संघर्ष जारी रखा था। अब उनकी ही जन्मभूमि खेकड़ा के लिए गौरव का क्षण है कि अंडमान-निकोबार के छात्र उनकी जीवनी से प्रेरणा लेंगे। अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के शिक्षा निदेशालय ने उनकी आत्मकथा को छात्रों और स्थानीय लोगों तक उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। खेकड़ा कस्बा स्थित नीरा आर्य स्मारक पुस्तकालय के संस्थापक व प्रसिद्ध साहित्यकार तेजपाल आर्य ने बताया कि शिक्षा निदेशालय ने पुस्तक की खरीद के लिए प्रकाशकों को आदेश जारी कर दिए हैं। दिल्ली स्थित डीके पब्लिकेशन को भी आत्मकथा की आपूर्ति का ऑर्डर मिला है। तेजपाल आर्य का कहना है कि अंततः काला पानी प्रशासन ने नीरा आर्य के अप्रीतम बलिदान और योगदान को स्वीकारते हुए उनकी आत्मकथा को प्रेरणादायक ग्रंथ माना है। यही कारण है कि इसे अब द्वीप समूह के स्कूलों और पुस्तकालयों में उपलब्ध कराया जा रहा है। उनका मानना है कि बलिदानी नीरा आर्य की आत्मकथा, अंडमान-निकोबार के छात्रों में देशभक्ति, साहस और संघर्ष की भावना जाग्रत करने में एक नया अध्याय साबित होगी।

नेशनल महिला कबड्डी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाए जौहर

बसी गांव में नैन स्पोर्ट्स इंडोर स्टेडियम का हुआ शुभारंभ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। बसी स्थित नैन स्पोर्ट्स इंडोर स्टेडियम के शुभारंभ अवसर पर ऑल इंडिया महिला कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। देश भर से आई करीब एक दर्जन महिला टीमों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने खेल कौशल का परिचय दिया।

बसी गांव को कबड्डी की जननी कहा जाता है। यहां के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बुधवार को क्षेत्रीय विधायक योगेश धामा ने नवनिर्मित स्टेडियम का उद्घाटन किया। इसके साथ ही दो दिवसीय ऑल इंडिया महिला कबड्डी प्रतियोगिता की शुरूआत हुई। प्रतियोगिता में झज्जर हरियाणा, सीआईएसएफ, नैन स्पोर्ट्स एकेडमी, शामली टाइगर्स, साई सोनीपत, अमर ज्योति एकेडमी, पानीपत लायन्स, भगत सिंह क्लब टोडा, रॉयल्स एकेडमी, एसएस एकेडमी, छुर मेरठ सहित कई टीमों की महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उद्घाटन मुकाबले में सीआईएसएफ ने झज्जर हरियाणा को हराकर जीत दर्ज की। गुरुवार को प्रतियोगिता के फाइनल मैच खेले जाएंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संजीव प्रधान, राजेश प्रधान, पंकज प्रधान, पीयूष नैन, सतबीर नैन, अशोक, दिनेश प्रधान, ओमपाल आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट विधि संस्थान का सम्मान

लीगल स्टडीज में नवाचारो के लिए वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय को सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायधीश जस्टिस राकेश बिन्दल एवं अटॉर्नी जनरल ऑफ इण्डिया आर. वेंकटरमणी ने दिया पुरस्कार

इण्डियन लॉ इंस्टीट्यूट एवं सर्वोच्च न्यायाय के संयुक्त तत्वाँधान में ''रोल ऑफ ए.आई .ईन लीगल सिस्टम'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगौष्ठी एवं सम्मान समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायधीश जस्टिस राकेश बिन्दल ने ''उत्कृष्ट विधि संस्थान'' के सम्मान से वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी को सम्मानित किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विवि को सर्वोच्च न्यायलय परिसर स्थित भारतीय विधि संस्थान के संयुक्त तत्वाँधान में आयोजित ''रोल ऑफ ए.आई. ईन लीगल सिस्टम'' विषय पर ''राष्ट्रीय संगौष्ठी एवं सम्मान समारोह-2025'' में ''कानूनी शिक्षा में नवाचारो'' के लिए ''उत्कृष्ट विधि संस्थान'' के सम्मान से सम्मानित किया गया।

ऑल इण्डिया लॉ फोरम, भारतीय विधि संस्थान, सर्वोच्च न्यायालय परिसर के संयुक्त तत्वाँधान में आयोजित ''राष्ट्रीय संगौष्ठी एवं सम्मान समारोह'' का शुभारम्भ मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट नयी दिल्ली के वरिष्ठ न्यायधीश जस्टिस माननीय राकेश बिन्दल, अटार्नी जनरल ऑफ इण्डिया आर. वेंकटरमणी, इण्डियन लॉ इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. वी.के. आहूजा, अन्तर्राष्ट्रीय साहित्यकार एवं शिक्षाविद् दिनेश रघुवंशी, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायधीश जस्टिस राकेश बिन्दल ने कहा कि आज पूरा विश्व बाजार ए.आई. से घिर चुका है। भारत भी न्याय प्रणाली को त्वरित एवं सटीक बनाने में इसका उपयोग कर रही है। मेरा देशभर से आये न्यायधीशों, वरिष्ठ अधिवक्ताओ एवं लॉ छात्रो से अपील है कि आप ए.आई. को ''हैल्पिंग टूल'' के रूप में जरूर उपयोग में लाये, पर इसको ''मास्टर कोच या उत्कृट शिक्षक'' समझने की भूल ना करें। इस अवसर पर वरिष्ठ आई.ए.एस. एवं रायपुर कलेक्टर आशीष सिंह, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विकास वर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद कुमार गोयल, सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता एवं पूर्व न्यायधीश पवन दुग्गल आदि लोग उपस्थित रहे।

सनातन आधार और राष्ट्र के प्राण तत्व हैं श्रीरामः डा. कुमार विश्वास

पिलखुवा में 'अपने-अपने राम' कथा सुनने के लिए उमड़ा जनसैलाब

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

पिलखुवा। वरिष्ठ कवि और कथावाचक डा. कुमार विश्वास ने कहा कि प्रभु श्रीराम केवल एक नाम नहीं हैं, बल्कि यह सनातन आधार व राष्ट्र का प्राणतत्व हैं। श्रीराम के बिना मानवता, संस्कार व राष्ट्रवाद की कल्पना भी व्यर्थ है। श्रीराम नाम उच्चारण करते ही व्यक्ति संस्कारों के संविधान से सुशोभित हो जाता है और उसका आत्मवल बड़े से बड़े आक्रांता का सामना करने के लिए तत्पर हो जाता है। शहर के रामलीला मैदान में शनिवार को आयोजित 'अपने-अपने राम' के कथा कार्यक्रम में वातावरण भक्ति, संस्कृति व उत्साह से भर गया। दोपहर से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया व तीन बजे तक पंडाल खचाखच भर गया। मुख्य द्वारों पर लंबी कतारें लग गईं। भक्ति संगीत और सजावट ने आयोजन का आकर्षण और बढ़ा दिया। डा. कुमार विश्वास ने रामायण के प्रसंगों को जोवन, समाज व लोक व्यवहार से जोड़ते हुए मनमोहक अंदाज में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि रामायण में आदर्श, त्याग व मांदा के जो सूत्र हैं, वे किसी भी सभ्यता को मजबूत बनाने में सक्षम हैं। यह कथा केवल धर्म की बात नहीं करती, बल्कि समाज के लोककल्याण का मार्ग भी दिखाती है। इस कथा में समाज व्यवहार, परिवार व्यवहार, भाई-भाई, जनता-राजा, पिता-पुत्र, मां-बेटा, शत्रु-मित्र व पति-पत्नी, देवरानी-जेठानी के एक-एक संबंध को जीवंत करने की ऊर्जा है। कथा के दौरान बार-बार तालियों और जयघोषों से पूरा पंडाल गूंजता रहा। - बच्चों से लेकर बुजुगों तक, सभी को आंखों और भावों में कहानी की लय साफ-साफ झलक रही थी। कार्यक्रम संयोजक नगर पालिका के अध्यक्ष विभू बंसल ने कहा कि यह कथा धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सकारात्मक विचारों को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, केबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, विधायक धर्मेश तोमर, कैप्टन विकास गुप्ता, क्षेत्रिय अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया, पूर्व मंत्री मदन चौहान, विधायक हरेंद्र तेवतिया, नितेश तोमर, हिमांशु अग्रवाल, वरूण शर्मा, अमित टांक व विशाल कौशिक आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्रीराम में संपूर्ण समस्याओं का समाधान निहित उपमुख्यमंत्री

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमको विश्वगुरु के पटल पर सुशोभित करने का आधार रामराजा ही है। हमने विश्व को गीता और रामायण का ज्ञान दिया है। विश्व कल्याण और सुख शांति का आधार रामायण में प्रवत संस्कार ही है। श्रीराम कथा में डा कुमार विश्वास की सम्मानित करने के बाद अपने उद्बोधन में कहा कि श्रीराममय वातावरण व श्रीराममय वयवहार ही हर घर को स्वर्ग व मंदिर बनाने को यकांत है। हमको कथा से रामायण के संस्कारों को घर जाकर आने वाली पीढ़ियों को सौंपने की जरूरत है। कुमार विश्वास की शैली ने रामायण की श्रद्धा के साथ ही रुचिकर भी बना दिया है। वह बधाई के पात्र हैं।

महापौर के नेतृत्व में शहर सौंदर्यकरण की कार्यवाही तेज

एलिवेटेड पर बनेगा 35 फीट का विशाल समृद्धि द्वार

शहर को सुंदर बनाना हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी, उम्मीदों पर खरा उतरेगा निगमः महापौर

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महापौर सुनीता दयाल के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम शहर की सुंदरता पर विशेष ध्यान दे रहा है। जिसके क्रम में निगम अधिकारियों द्वारा कार्यवाही तेज करते हुए स्थान का चयन किया है तथा गाजियाबाद को भव्यता देने के लिए विशाल स्ट्रक्चर बनाते हुए शहर सौंदर्य करण को बढ़ावा दिया जा रहा है। महापौर द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में पांच प्रमुख चौराहा का चयन करते हुए निगम अधिकारियों ने कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। जिसमें निविदा प्रक्रिया भी पूर्ण हो चुकी है आगामी 7 दिन के भीतर धरातल पर कार्य प्रारंभ करने की निगम द्वारा योजना बनाई जा चुकी है। प्रथम चरण में शहर के चार प्रमुख चौराहों को लिया गया है जिसमें 20-20 फीट के स्कल्पचर लगाए जाएंगे तिगड़ी गोल चक्कर पर स्तंभ आफ इंडस्टरीज एंड इनोवेशन, डायमंड फ्लाईओवर चौराहे पर टेक्टोनिक ब्लूम, आनंद विहार एंट्री पॉइंट पर अन्नदाता शिखर स्कल्पचर, रोटरी जंक्शन गोल चक्कर पर कोड ऑफ प्रोग्रेस आकर्षक स्कल्पचर लगाए जाएंगे जो की न केवल शहर की सुंदरता को बढ़ाएंगे। बल्कि उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद की एक अलग पहचान बनाने में भी सहयोग करेंगे।

महापौर द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए शहर की स्वच्छता पर विशेष कार्य कर रहा है। वही गाजियाबाद को भव्यता प्रदान करने के लिए भी निगम अहम भूमिका निभाएगा। जिसके लिए गाजियाबाद में आकर्षक और सुंदर विशाल एंट्री गेट बनाने का कार्य तथा प्रमुख चयनित चौराहा पर अद्भुत कलाकृतियों से सौंदर्यकरण का कार्य कराया जाएगा।

निर्माण विभाग तथा संबंधित टीम को एक सप्ताह में कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं, एलिवेटेड फ्लाईओवर पर 35 फीट लंबा तथा 72 फीट चौड़ा समृद्धि द्वार बनाया जाएगा। यूपी गेट एंट्री पर 55 फीट लंबा तथा 228 फीट चौड़ा सूर्य प्रकाश द्वार बनाया जाएगा जो की बहुत ही आकर्षक और मनमोहन होंगे अद्भुत कलाकृति से सुसज्जित भी होंगे। शहर को सुंदर बनाना गाजियाबाद नगर निगम की जिम्मेदारी है जिसके लिए हर उम्मीद पर खरा उतरना बहुत जरूरी है। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए निगम अधिकारी उत्साह पूर्वक शहर को सुंदर बनाने के कार्य में अपनी भूमिका निभाएंगे महापौर द्वारा निर्देश दिए गए।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा बताया गया गाजियाबाद नगर निगम शहर के विकास कार्यों के साथ-साथ शहर की सुंदरता को बढ़ाने का भी कार्य प्राथमिकता पर कर रहा है। जिसमें प्रथम चरण में चार प्रमुख चौराहा तथा दो प्रमुख एंट्री गेट का कार्य कराया जाएगा। इसके लिए निविदा प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। नवंबर के अंतिम सप्ताह में कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। लगभग 15 करोड़ की लागत से चार प्रमुख चौराहे तथा दो प्रमुख एंट्री गेट को भव्यता देने का कार्य निगम द्वारा किया जाएगा जो की ऐतिहासिक सौंदर्यकरण के रूप में होगा। विशाल और अद्भुत स्कल्पचर गाजियाबाद की धरोहर के रूप में स्थापित किए जाएंगे। गाजियाबाद नगर निगम माननीय महापौर के दिए गए निर्देश के क्रम में शहर को सुंदर बनाने के लिए तेजी से कार्य कर रहा है। जिसमें टीम को योजना बनाते हुए कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं।

कुँवर आशीष सिंह परिहार सृजन सम्मान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

जबलपुर। संस्कृति-स्त्रोतस्विनी अमृतोपमा नर्मदा के पावन तट पर अवस्थित महर्षि जाबालि की तपोभूमि, चन्देल-कुलदीपिका वीरांगना रानी दुर्गावती के (भु) जबलपुर में 'सेठ गोविन्ददास रंगमंच' अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर क्रियाशील संस्था 'कादम्बरी' के साहित्यकार-पत्रकार अलंकरण-सम्मान समारोह का साक्षी बना।

संस्कारधानी जबलपुर के काव्यर्षि आचार्य भगवत दुबे और पण्डित राजेश पाठक 'प्रवीण' के नेतृत्व में विगत 30 वर्ष से हिन्दी-जगत् में 'कादम्बरी' की विश्वसनीयता बनी हुई है। प्रत्येक हिन्दीसेवी की यह अभिलाषा होती है कि उसे 'कादम्बरी' के मंच से सम्मानित किया जाय। इस वर्ष कादम्बरी ने 127 साहित्यकारों-पत्रकारों को सम्मान-अलंकरण से विभूषित किया गया।

'कादम्बरी' के इस सम्मानोत्सव में हिन्दी-सेवा के लिए प्रथम छह अलंकरण एकादश सहस्त्र की सम्मान-निधि के साथ डॉ. कृष्णबिहारी पाण्डेय (प्रयागराज), डॉ. महेश 'दिवाकर' (मुरादाबाद), डॉ. अनिल गहलोत (मथुरा), आचार्य ओम 'नीरव' (लखनऊ), डॉ. हीरालाल मिश्र 'मधुकर' (वाराणसी) एवं डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' को प्रदान किये गये।

प्रत्येक अलंकरण के नाम पृथक पृथक हैं। मुझे 'कुँवर आशीष सिंह परिहार सृजन सम्मान' से अलंकृत होने का गौरव प्राप्त हुआ। कादम्बरी के अध्यक्ष आदरणीय आचार्य भगवत दुबे जी, महामन्त्री श्री राजेश पाठक 'प्रवीण' सहित सम्पूर्ण 'कादम्बरी-परिवार' के साथ साथ सम्मान-निधि अर्पित करनेवाली कीर्तिशेष कुँवर आशीष सिंह परिहार की वामांगिनि धर्मप्राण विदुषी कुँवरानी सपना सिंह जी के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ।

इसी अवसर पर टीकमगढ़ के छन्दःशास्त्री श्री अशोक पटसारिया 'नादान' को पंच सहस्त्र सम्मान-निधि के साथ श्रीमती पद्मिनी श्वेता सिंह के द्वारा अपनी वैकुण्ठवासिनी श्वश्रु माँ की पुण्यस्मृति में 'महीयसी प्रभा सिंह छन्द महोदधि सम्मान' अर्पित किया गया।

सेहत/स्वास्थ्य

रात के सोते समय पैर बायटा आने पर क्या करें? आजमाएं यह देसी नुस्खा, दर्द होगा गायब

रात की ऐंठन केवल दर्द नहीं, बल्कि शरीर में मिनरल्स की कमी, थकान, डिहाइड्रेशन या नर्व सिग्नल के गड़बड़ होने का संकेत भी हो सकती है, हालांकि इस परेशानी का आसान, तुरंत असर करने वाला और पूरी तरह नेचुरल इलाज आपकी अपनी रसोई में मौजूद है। इस देसी नुस्खे की मदद से आपको काफी आराम मिलेगा।

रात के समय जब हम गहरी नींद में सोए होते हैं, तो अचानक से पैर की तेज ऐंठन या 'बायटा' आने से चीखने लगते हैं। इस भयंकर दर्द में ऐसा लगता है कि किसी ने मांसपेशी को जोर से मरोड़ दिया हो। यह दर्द कुछ सेकंड का होता है, लेकिन इसका असर कई घंटों तक बना रहता है। रात की ऐंठन केवल दर्द नहीं, बल्कि शरीर में मिनरल्स की कमी, थकान, डिहाइड्रेशन या नर्व सिग्नल के गड़बड़ होने का संकेत भी हो सकती है, हालांकि इस परेशानी का आसान, तुरंत असर करने वाला और पूरी तरह नेचुरल इलाज आपकी अपनी रसोई में मौजूद है। इस देसी नुस्खे की मदद से आपको काफी आराम मिलेगा।

बायटा के लिए देसी नुस्खा

आपको बता दें कि, यह देसी नुस्खा शरीर पर लगाने के लिए है, न कि इसे खाने के लिए। यह उपाय पैर के दर्द को दूर करने के साथ पूरे शरीर की नसों और मांसपेशियमों को आराम पहुंचाता है।

सामग्री

- शुद्ध देसी घी- 1 चम्मच
- नारियल का तेल- 1 चम्मच

कैसे इस्तेमाल करें

- देसी घी और नारियल के तेल को बराबर मात्रा में मिलाकर हल्का गुनगुना करें।
- इस मिश्रण को आप पैरों और हाथों के नाखूनों के सिरों पर लगाएं।
- नाखूनों की मालिश करने के बाद, पैरों के तलवों और जहां ऐंठन आई है, वहां हल्के हाथों से मालिश करें।
- रात को सोने से पहले रोज मालिश करने से बायटा आने का खतरा कम हो जाता है।

पैरों में ऐंठन के लिए यह देसी नुस्खा कैसे काम करता है?

- तंत्रिका तंत्र को शांत करना: इस देसी नुस्खा का इस्तेंमाल करने से पैरों के तलवों में मौजूद तंत्रिका सिरों को उत्तेजित करती हैं, जो सीधा दिमाग को संदेश भेजते हैं कि अब मांसपेशियों को आराम करना है।
- ब्लड सकुर्लेशन अच्छा होता है: मालिश करने से उस हिस्से में ब्लड का सकुर्लेशन तेज होता है, जिससे मांसपेशियों में जमा हुआ लैक्टिक एसिड, जो कि ऐंठन का मुख्य कारण है, यह तेजी से बाहर निकल जाता है।
- घी का पोषण: देसी घी ऊतकों (टिश्यू) के गहरा पोषण देता है और वात कंट्रोल भी होता है, जिस वजह से दर्द और ऐंठन का अहम कारण है।
- कूलिंग नारियल तेल: नारियल तेल में कूलिंग गुणों मौजूद होते है, जो सूजन को कम करता है और मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है।

इस मिश्रण से टू-इन-वन फायदे

- जब इस मिश्रण को रात के समय मालिश करते हैं, तो यह आपकी तंत्रिका तंत्र को शांत करता है।
- इसके इस्तेमाल से आप तनाव कम होता है, जिससे आपको गहरी और अच्छी नींद आती है।
- यह नाखूनों और स्किन को भी स्वस्थ रखता है।

पर्यटन

वीकेंड्स पर बनाएं जयपुर घूमने का प्लान, 3 दिन की ट्रिप बेहद शानदार रहेगी, एक्सप्लोर करें ये जगहें

> २०२५ में जयपुर दुनियाभर के टॉप शहरों की लिस्ट में 5वां स्थान पर आया है। यहां पर घूमने के लिए बहुत कुछ है, इसलिए आप वीकेंड्स के दौरान ट्रिप का प्लान कर सकते हैं। ३ दिन की ट्रिप के लिए बनाएं प्लान, इन जगहों करें एक्सप्लोर।

राजस्थान में घूमने की बात आती है, तो सबसे पहले नाम आता है, चलो जयपुर घूमने चलते हैं। वीकेंड ट्रिप के लिए जयपुर से अच्छी कोई डेस्टिनेशन नहीं है। जयपुर एक ऐसा शहर है, जहां पर प्रकृति, इतिहास और संस्कृति का परफेक्ट मेल देखने को मिलता है। इस शहर में आप ऐतिहासिक महल, किले, रॉयल लाइफ और लोकल मार्केट को एक्सप्लोर कर सकते हैं। 2025 में जयपुर दुनियाभर के टॉप शहरों की लिस्ट में 5वां स्थान पर आया है। यहां पर घूमने के लिए बहुत कुछ है, इसलिए आप वीकेंड्स के दौरान ट्रिप का प्लान कर सकते हैं। 3 दिन की ट्रिप के लिए बनाएं प्लान, इन जगहों करें एक्सप्लोर।

जयपुर में पहला दिन

ट्रिप के पहले दिन की शुरूआत आप जलमहल के शांत और खूबसूरत व्यू के साथ कर सकते हैं। सुबह की हल्की रोशनी इस जगह को बेहद खास बना देता है। इसके बाद पन्ना मीना कुंड देखने जाएं। इस कुंड में आपको पुरानी राजस्थानी बनावट के साथ शांत माहौल में समय बिताने का मौका मिलेगा। फिर आप यहां से आमेर फोर्ट जाएं, जहां आपको एकदम रॉयल फील जैसा लगेगा। अमेर फोर्ट बेहद ही सुंदर है, जिससे देखकर आप राजा-महाराजाओं की याद में खो जाएंगे। अब आप थोड़ा आराम कर लें। इसके बाद शाम को जगतशिरोमणि मंदिर जाएं और शांत माहौल में कुछ समय बिताएं। फिर आपको सबसे आखिरी में चोखी धानी में स्वादिष्ट राजस्थानी खाना खाएं और पारंपारिक माहौल के साथ करें।

ट्रिप का दूसरा दिन

दूसरे दिन जयपुर में आप सिटी पैलेस जाएं, जहां आपको राजघराने की कला और रॉयल लाइफ की झलक देखने को मिलेगी। इसके बाद आप सीधा जंतर-मंतर जाएं। इसके बाद हवा महल की सैर करें और इसकी खूबसूरती को नजदीक से फील करें। अगर आपके पास थोड़ा समय है, तो आप टैटू फैफे में बैठकर, जहां से आपको हवामहल की ऊंचाई देखने को मिलेगी। ध्यान रहे कि शाम होने से पहले नाहरगढ़ फोर्ट पहुंच जाएं क्योंकि यहां से दिखने वाला सूर्यास्त यात्रा की सबसे खूबसूरत यादों में से एक बन जाएगा। यदि आपको समय मिले तो वापसी में रात के समय हवामहल को बाहर से देखें, रात की रोशनी में बहुत ही सुंदर नजर आता है।

ट्रिप का तीसरा

तीसरे दिन सबसे पहले आप पत्रिका गेट और तोरण द्वार जरुर देखने जाएं। यहां की रंगीन दीवारें और सुंदर डिजाइन फोटो लेने के लिए एकदम परफेक्ट जगह हैं। फिर आप अल्बर्ट हॉल म्यूजियम जाएं, जहां आपको राजस्थान की कला, इतिहास और कई अनोखी चीजें देख सकते हैं।

इसके बाद आप, यहां से गलताजी मंदिर जाएं, जो पहाड़ियोँ के बीच बना एक शांत और पवित्र स्थान है। अगर आप और घूमना चाहते हैं, तो गेटोर की छतरियों की ओर जाएं, जहां आप राजस्थानी वास्तुकला देखने के मिलेगी। ट्रिप के अंत में आप बापू बाजार में शॉपिंग कर सकते हैं।

ब्यूटी / फैशन

हेयर स्टाइलिंग के बावजूद बालों को टूटने से बचाएं! एक्सपर्ट से जानें इन्हें सुरक्षित रखने के खास तरीके

फैशन के लिए हीट स्टाइलिंग का प्रयोग करने वाली लड़कियों के लिए यह लेख बालों को कमजोर होने से बचाने के खास तरीके बताता है, जिसमें हीटिंग स्प्रे का उपयोग और घरेलू हेयर मास्क से पोषण शामिल है।

आजकल लड़कियां फैशन के लिए नई-नई हेयर स्टाइल को जरुर ट्राई करती हैं। वैसे भी बालों के अलग-अलग तरह के हेयर स्टाइल बनाना हम सभी को बेहद पसंद है। कई बार होता है कि हीट स्टाइलिंग टूल्स का प्रयोग करके, बालों में बाउंस या स्ट्रेट बना सकते हैं। अत्यधिक हीट स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल करने से बाल कमजोर होने लगते हैं। कई बार तो बालों के लिए अलग-अलग ट्रीटमेंट कराने पड़ते हैं, जिससे बालों में पोषण बना रहे। अगर आपको बालों को स्ट्रांग कराना है, तो इन टिप्स को फॉलों करें।

हीट स्टाइलिंग से कमजोर हुए बालों को स्ट्रांग बनाने की टिप्स

जब भी आप हीट स्टाइलिंग टूल्स का प्रयोग कर रही हैं, तो आप हीटिंग सेटिंग स्प्रे का यूज कर सकती हैं। ऐसा करने से आपके बालों में हीट कम लगती है। इसके साथ ही आपके बाल खराब नहीं होते हैं। हीटिंग स्प्रे आपको बाजार में मिल जाएंगे। इसे पहले बालों में लगाकर फिर हीटिंग टूल्स का प्रयोग करें। इसके प्रयोग से आपके बाल डैमेज नहीं होंगे।

बालों को पोषण जरुर दें

यदि आप बालों में ज्यादा हीटिंग टूल का प्रयोग करती है, तो इससे पहले अपने बालों को पोषण जरुर दें। इसके लिए आप घर में बनें हुए सीरम या हेयर मास्क का प्रयोग कर सकती हैं। इसके बाद ही हीट स्टाइलिंग का इस्तेमाल करें।

ऐसा करने से आपका स्कैल्प कमजोर नहीं होगा और बाल भी मजबूत बनें रहेंगे। आपके हेयर्स की ग्रोथ भी अच्छी हो जाएगी। बस आपको समय-समय पर अपनी चीजों का इस्तेमाल करना जरुरी है।

रात को करें ये हेयर रुटीन फॉलो

अगर आपके हेयर्स हीटिंग टूल्स के प्रयोग से ज्यादा ही खराब हो रहे है, तो आप रात के समय हेयर केयर रुटीन जरुर करें। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे आपको बालों के टूटने की समस्या कम हो जाती है। आप हफ्ते में कम से कम 2 बार गरम तेल से बालों की मालिश करें। इसके बाद हेयर वॉश करें। ऐसा करने से आपके बालों को नमी मिलेगी।

घरेलू नुस्खे

फ्रीजर में बनाएं बालों का ये 'सीक्रेट', चिया-शहद क्यूब्स से बाल होंगे लंबे, घने और मजबूत

टूटते बालों से बचने के लिए महिलाएं कई तरह के उपाय करती हैं। इसके बाद भी कोई खास असर नहीं पड़ता है, लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे हेयर फॉल की समस्या कम हो जाएगी।

आज के समय में अधिकतक महिलाएं टूटते बालों से परेशान रहती हैं। जिस कारण उनकी टेंशन बढ़ती जा रही है। वहीं टूटते बालों के पीछे प्रदूषण, अनहेल्दी डाइट, केमिकल प्रोडक्ट्स और स्ट्रेस का इस्तेमाल करना शामिल है। यह सब हमारे बालों को अंदर से कमजोर बना देते हैं। हालांकि टूटते बालों से बचने के लिए महिलाएं कई तरह के उपाय करती हैं। इसके बाद भी कोई खास असर नहीं पड़ता है, लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल करके आपके बाल टूटने की समस्या दूर हो जाएगी।

चिया सीड्स और शहद पोषक तत्वों से हैं भरपूर

बालों को टूटने से बचाने के लिए शहद और चिया सीड्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। चिया सीड्स के छोटे-छोटे बीजों में ओमेगा 3 फैटी एसिड, एंटी-ऑक्सीडेंट्स और प्रोटीन अच्छी मात्रा में पाया जाता है। पानी में भीगने पर यह जेल बन जाता है और बालों को कोट करके यह ड्राईनेस से बचाते हैं। वहीं इसमें मौजूद एमिनो एसिड्स बालों की जड़ों को मजबूत करता है और स्कैल्प की सूजन को कम करता है। दूसरी ओर शहद की बात करें ये एक नेचुरल मॉइस्चराइजर की तरह काम करता है। ये बालों में नमी बनाए रखता है। ड्राइनेस से बचाता है। साथ ही स्कैल्प को भी पोषण देता है। इसमें मौजूद ऐंटीबैक्टीरियल गुण डैंड्रफ और खुजली जैसी दिक्कतों से भी राहत दिलाते हैं। जब दोनों को साथ मिलाया जाए तो ये बालों के लिए नेचुरल कंडीशनर की तरह काम करते हैं।

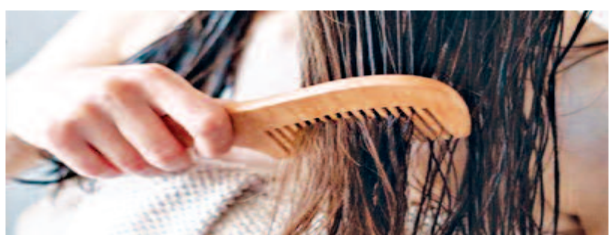

ऐसे बनाएं क्यूब्स

इसकी क्यूब्स बनाने के लिए पानी में चिया सीड्स डालें और एक-दो घंटे के लिए इसको ऐसे छोड़ दें। बीच-बीच में चलाते रहें, जिससे यह चिपके नहीं। जब यह फूल जाएं, तो इनको ब्लेंड कर लें। इससे स्मूद पेस्ट तैयार हो जाएगा और इसमें शहद और ऐलोवेरा जेल डालें। फिर इसको अच्छे से मिक्स कर लें। अब तैयार मिक्सचर को आइस ट्रे में डालकर 5-6 घंटे के लिए फ्रीजर में रख दें। आप चाहें तो इसको स्टोर भी कर सकती हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

बाल धोने या कंडीशनर लगाने के बाद एक-दो क्यूब्स निकालकर इन्हें थोड़ा हाथों में पिघलाएं। अब बालों की जड़ों से लेकर लंबाई तक में इसको लगाएं। फिर हल्के हाथों से मसाज करें और 15-20 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। फिर सादे पानी से बालों को धो लें। ऐसा करने से बाल जड़ से मजबूत होंगे और बालों में शाइन भी आएगी। वहीं अगर आपको खुजली या डैंड्रफ की समस्या है, तो इससे भी छुटकारा मिलेगा। आप सप्ताह में इसको एक बार ट्राई कर सकती हैं।

बरतें ये सावधानी

- पहली बार इसको बालों में लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें।
- अगर आपको ऐलोवेरा, शहद या किसी नेचुरल इंग्रेडिएंट्स से एलर्जी है, तो इससे दूर रहें।
- स्कैल्प पर इंफेक्शन और घाव हो तो इसको न लगाएं।
- ओवरयूज से बचना चाहिए।

दयावती मोदी पब्लिक स्कूल का वार्षिक समारोह शिक्षा, संस्कार और कला का अद्भुत संगम

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। स्थानीय दयावती मोदी पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव बड़े गरिमामय एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर विद्यालय के मुख्य प्रबंधक रायजादा सेठ उमेश कुमार मोदी और धर्मपत्नी कुमकुम मोदी जी उपस्थित रहे। पुत्र माननीय अभिषेक मोदी एवं नंदनी मोदी जयेश मोदी एवं प्रिया मोदी जी भी उपस्थित थे।अतिथियों का स्वागत बैंड की मधुर ध्वनियों के साथ विद्यालय के हेड बॉय अंशराज और हेड गर्ल श्रेया वशिष्ठ के द्वारा पुष्पगुच्छ प्रदान कर, किया गया। इस अवसर पर विद्यालय उपाध्यक्ष राजीव बोबल और प्रधानाचार्य विजेंद्र कुमार राणा के द्वारा विद्यालय की ओर से अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान करके किया गया। दिवंगत संस्थापिका अध्यक्षा, दयावती मोदी जी की 110वीं जयंती के अवसर पर छात्रों के द्वारा शिक्षा, कला और समाज कल्याण के प्रति 'मां जी' की उल्लेखनीय विरासत को समर्पित करते हुए , तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रारंभ किया गया। कार्यक्रमों का प्रारंभ देवी स्तुति झमाँ शक्ति है से की गई।इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्राइमरी विंग के विद्यार्थियों द्वारा ऊर्जा से भरपूर नृत्य की प्रस्तुति की गई। ऑर्केस्ट्रा दल द्वारा तो भक्ति के गीतों ने सभागर में उपस्थित सभी अभिभावकों को भक्तिभाव से अभिभूत कर दिया।इसी क्रम में प्राइमरी विंग के छात्राओं के द्वारा शास्त्रीय नृत्य गरज-गरज आए मेघ, धनन-धनन छायोरी' की प्रस्तुति देख सारा सभागार तालियों की गूंज से भर गया। सीनियर विंग द्वारा डांस ड्रामा विंग्स टू फ्लाई प्रस्तुत किया गया । जिसमें देशभक्ति और आत्मविश्वास के भाव को दशार्या गया। जूनियर विंग के विद्यार्थियों द्वारा 360 डेवलपमेंट ऑफ अ चाइल्ड विषय पर एक प्रेरणादायक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई ।इस प्रस्तुति के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास – शिक्षा, खेल और आध्यात्मिकता – का सशक्त संदेश जन - जन तक पहुँचाया गया। छात्रों ने योग नृत्य द्वारा अनेक प्रकार की योगासन मुद्राएँ दिखाते हुए समारोह में उपस्थित सभी का मन मोह लिया । शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर सेठ उमेश कुमार मोदी एवं कुमकुम मोदी द्वारा छात्रों जलज पालीवाल एवं कमिका सोम को रायबहादुर अवार्ड और आर्यन गुप्ता एवं आराध्या तोमर को रायबहादुरनी अवार्ड से सम्मानित किया गया ।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में भव्य एकता यात्रा का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य एकता यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा मोदी इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर मोदी मंदिर तक निकाली गई, समापन के उपरान्त बैठक आयोजित की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष चौ. चेनपाल सिंह ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष कांता कर्दम की उपस्थिति रही। विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने यात्रा में सहभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल की एकता यात्रा उनके संदेश –एक भारत आत्मनिर्भर भारत– को पुन स्मरण कराते हुए समाज में एकता, संगठन और राष्ट्रभक्ति की भावना को सशक्त बनाती है। यात्रा में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेट्स एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्ण भागीदारी दर्ज कराई। साथ ही कार्यकताओं, पदाधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों की व्यापक उपस्थिति ने कार्यक्रम की भव्यता और सफलता को और अधिक उजागर किया। यह एकता यात्रा न केवल एक ऐतिहासिक आयोजन सिद्ध हुई, बल्कि सरदार पटेल की दूरदृष्टि एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का प्रेरणादायी माध्यम भी बनी।

नव्या मोदी ने वंचित बालिकाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का किया उद्घाटन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। वंचित बालिकाओं को सशक्त एवं स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से नव्या मोदी ने अपनी मित्रों रिहाना, अरजोई, काइरा और ज़िया के साथ मिलकर एक सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। यह परियोजना गिन्नी मोदी डिग्री कॉलेज में संचालित की जा रही है, ताकि लाभार्थियों को एक सुरक्षित और सहयोगपूर्ण सीखने का वातावरण मिल सके।

नव्या, मानव मोदी की पुत्री और डीके मोदी की पोती, ने इस पहल का नेतृत्व किया और क्राउडफंडिंग के माध्यम से सिलाई मशीनें दान करने के लिए आवश्यक धनराशि जुटाई। इस परियोजना का उद्देश्य इन बालिकाओं को ऐसे व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है, जिनसे वे भविष्य में स्वावलंबी बनकर देश के विकास में अपना योगदान दे सकें। नव्या और उनकी मित्र हर सप्ताह मोदीनगर आकर इन बालिकाओं को हाथों-हाथ प्रशिक्षण देंगी, ताकि वे सिलाई से जुड़े आवश्यक कौशल आत्मविश्वास के साथ सीख सकें और निखार सकें। इस पहल के बारे में बात करते हुए नव्या ने कहा कि उन्हें आशा है कि 'यह केंद्र उन युवा बालिकाओं के लिए एक ऐसा स्थान बनेगा जहाँ वे आत्मविश्वास, कौशल और अपने भविष्य को संवारने का अवसर प्राप्त करें।'

जिला स्तरीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी में मोदी कॉलेज के छात्रों का रहा बेहतर प्रदर्शन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। जिला स्तरीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी जो जीजीआईसी विजयनगर में हुई इसमें डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज के छात्रों का बेहतरीन प्रदर्शन रहा जिसमें जूनियर वर्ग के कक्षा के छात्रों राघव जांगिड़ व काव्यांश सागर ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर सम्मान में प्रशस्ति पत्र मोमेंटो प्राप्त किया तथा मंडल स्तर की प्रदर्शनी के लिए चयनित हुए सीनियर वर्ग में कक्षा के कुनाल ,पुनीत ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर सम्मान में प्रशस्ति पत्र वोमेंटो प्राप्त किया तथा मंडल स्तर की प्रदर्शनी लिए चयनित हुए सीनियर वर्ग में कक्षा के भविष्य सागर, भरत जांगिड़ ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर ट्राफी प्रशस्ति प्राप्त किया और मंडल स्तर की प्रदर्शनी के लिए चयनित हुए मंडल स्तरीय बाल विज्ञान प्रदर्शन 2025प्रदर्शनी 18 तारीख में डीएन इंटर कॉलेज मेरठ में होगी सीनियर वर्ग में भविष्य सागर व भारत जांगिड़ ने स्मार्ट ब्रिज फॉर रेलवे स्टेशन का उत्कृष्ट विज्ञान मॉडल प्रस्तुत किया जिसे मंडल स्तर की प्रदर्शनी में के लिए चयनित किया गया है। कॉलेज के प्रधानाचार्य सतीश चंद्र अग्रवाल सभी मंडल स्तर विज्ञान प्रदर्शनी के लिए चयनित और उनके गाइड टीचर राजीव वर्मा रसायन विज्ञान प्रवक्ता को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देखकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा इस प्रकार छात्रों के साथ मेहनत करने से छात्र जरुर सफल होते हैं ।

नई बसों को विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। विधानसभा क्षेत्र में जन-सुविधा को और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। क्षेत्र में दो नई बस सेवाओं का शुभारंभ किया गया। पहली बस मुकरी से हापुड़ वाया मोदीनगर तथा दूसरी बस मोदीनगर से मैनपुरी वाया हापुड़-बुलंदशहर के लिए संचालित की गई है। इन दोनों बस सेवाओं का विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जिससे क्षेत्रवासियों को सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

बी. कॉम एवं अर्थशास्त्र विभाग का इंडक्शन व फ्रेशर कार्यक्रम आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। कार्यक्रम की अध्यक्षा व मुख्य अतिथि प्राचार्या प्रो. पूनम शर्मा , वाणिज्य व अर्थशास्त्र विभाग की अध्यक्षा डॉ. सारिका गर्ग व अन्य शिक्षिकाओं ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

तत्पश्चात छात्राओं ने विभिन्न प्रदेशों के सांस्कृतिक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति कर सभी का मन मोह लिया। बी. कोम की छात्रा अवनि ने गायन की सुमधुर प्रस्तुति दी। छात्राओं के आग्रह पर संगीत विभाग की अध्यक्षा डॉ. आकांक्षा सारस्वत ने अपनी मधुर आवाज में एक गीत प्रस्तुत कर वातावरण को हर्षोल्लास से भर दिया !

कार्यक्रम में मंच संचालन किया एम. ए. अर्थशास्त्र की छात्रा खुशी भोला व विशाखा ने किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा मिस फ्रेशर का चुनाव छात्राओं ने कैटवाक में बढ़चढ़कर अपनी अदाओं से वातावरण को फैशन के जलवे में सराबोर कर दिया !

मिस फ्रेशर बी. कॉम चुनी गयीं ज्योति, मिस फ्रेशर म.ए. चुनी गयीं आयुषी तथा गौरी ! प्राचार्या जी ने विजेता छात्राओं को बधाई तथा अपनी शुभकामनाओं व आशीर्वचनों से आशीर्वादित किया ! कार्यक्रम का आयोजन करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया आयुषी, गौरी, सिमरन, वंशिका, ज्योति ने।

महिलाओं ने बिजली के नए मीटर लगाने वालों को खदेड़ा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। बिजली विभाग की तानाशाही महिलाओं ने आगे आकर मीटर लगाने वालों को खदेड़ा ।आज सिकैडा रोड स्थित अम्बेडकर बस्ती पर बिजली विभाग के जेई वह स्मार्ट मीटर लगाने वाला स्टाफ पुलिस बल। के साथ पहुंचा स्थानीय निवासियों ने स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध किया तो पुलिस ने स्थानीय निवासियों को धमकाना शुरू कर दिया। मौके पर सभासद परवीन गुर्जर वह भारतीय किसान मजदूर मोर्चा के अध्यक्ष ओर जिला पंचायत सदस्य डॉ बबली गुर्जर अपने साथियों के साथ पहुंचे जिनकी बिजली विभाग। के जेई वह पुलिस के साथ काफी कहासुनी हुई और जो मीटर लगा दिए गए थे। उनको उतरवा दिया गया डॉ॰ बबली गुर्जर ने बताया कि कोर्ट का आदेश है जो मीटर नहीं लगवाना चाहता उसके जबरदस्ती। मीटर नहीं लगाया जाएगा बिजली विभाग की तानाशाही चरम सीमा पर है पुलिस को लेकर। गरीब बस्तियों में पहुंचकर जबरदस्ती मीटर लगाने का काम बिजली विभाग कर रहा है जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा बबली गुजर ने कहा : कि अगर बिजली विभाग की तानाशाही नहीं रुकती है तो इसको लेकर जल्द ही एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर जय प्रकाश शर्मा पिन्टू जाटव आजाद खान रामपाल ठेकेदार कपिल जाटव सोहनपाल दिलशाद खान कपिल जाटव आदि लोग उपस्थित रहे।

'जागृति मैदान' में वार्षिक समारोह 'जिन्दगी डॉट कॉम' संपन्न

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉक्टर के.एन. मोदी ग्लोबल स्कूल के 'जागृति मैदान' में वार्षिक समारोह 'जिन्दगी डॉट कॉम 2025' बड़े हर्ष और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति ने पूरे माहौल को उल्लास मय बना दिया। शाम को सफल बनाने के लिए मोदी फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर डी.के .मोदी ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की ।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की भूमिका डॉक्टर के. एन .मोदी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर पी एन ऋषिकेशा ने निभाई ।उनके आगमन पर विद्यालय परिवार के द्वारा हार्दिक स्वागत किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना से हुआ।जिसने पूरे वातावरण को पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया । तत्पश्चात समान्नीय अतिथियों का स्वागत किया गया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती पूजा शर्मा ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों की उपलब्धियो और विद्यालय की प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य विश्व में शिक्षा का परचम लहराने के साथ-साथ उन्हें तकनीकी शिक्षा देना भी है। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों के विकास पर भी बल दिया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. पी एन ऋषिकेशा ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को मेहनत अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ-साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर मोदी फाउंडेशन के उपाध्यक्ष कैप्टन राजीव सक्सेना , मेघराज शर्मा जी, दीपांकर शर्मा, यू.एन. मिश्रा, डायरेक्टर्स एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रधानाचार्य और गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जिसमें 'शुभ दिन आयो ' के उल्लास पूर्ण नृत्य के माध्यम से बच्चों ने अपनी खुशी को व्यक्त किया। इसी श्रृंखला में 'मस्ती की पाठशाला' में विद्यार्थियों ने स्कूली जीवन की चंचलता और मित्रता के जोश को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया।

'तेरी उंगली पड़कर' और 'बादल पर पांव' जैसी कोमल प्रस्तुतियों ने मां बेटे के स्नेह और बचपन की मासूमियत को सुंदरता से मंचित कियॉ। 'लुका छुपी 'तारे जमीन' की भावनात्मक प्रस्तुति से दर्शकों की आंखें नम हो गई। इसके साथ ही 'बम -बम भोले' के ऊजार्वान नृत्य से दर्शकों में जोश आ गया । 'गलती से मिस्टेक 'और 'मस्ती की पाठशाला ' जैसी प्रस्तुतियों ने हास्य और मनोरंजन से भरे क्षण दिए।

देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत 'देश रंगीला' ने दर्शकों को गर्व और एकता का संदेश दिया। जबकि 'भांगड़ा' की ऊजार्वान धुनों पर विद्यार्थियों ने पूरे मैदान में जोश भर दिया। क्लासिकल डांस की सधी हुई मुद्राओं ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य की झलक प्रस्तुत की। वही 'कमांडो' ड्रिल ' ने अनुशासन तालमेल और टीम भावना का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। जिसने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया ।

कार्यक्रम के अंत में प्रशांत कुमार शुक्ला विद्यालय समन्वयक ने भावपूर्ण धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि, विद्यालय प्रबंधन समिति, अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सांस्कृतिक मूल्यों का संचार करते हैं। समस्त कार्यक्रम आशिमा त्यागी, चंचल मित्तल, ज्योति कौर, भारती दारूका ,विकास बाबा और सुभाष तेवतिया की देखरेख में संपन्न हुआ। मंच का संचालन अद्विका, संयम विद्यार्थी, नेत्रा ने किया।